RNI No. 62592/95
email: u.p.observer@gmail.com

यू.पी.ऑब्ज़र्वर

साप्ताहिक

मोदीनगर (गाजियाबाद) वर्ष : 31 अंक : 41 सोमवार 6 से 12 जनवरी, 2025 पृष्ठ: 8 मूल्य : ₹3/=

शहर विधायक व सांसद ने की रक्षा मंत्री से मुलाकात ...2

मोदी ने नमो भारत ट्रेन का किया सफर, साहिबाबाद-न्यू अशोक नगर खंड का किया उद्घाटन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में उत्तर प्रदेश के साहिबाद स्टेशन से पूर्वी दिल्ली के न्यू अशोक नगर स्टेश तक नमो-भारत ट्रेन की यात्रा की और इसके साथ ही नयी विकसित की जा रही क्षेत्रीय रैपिड रेल-यात्री परिवहन प्रणाली दिल्ली में प्रवेश कर गयी है। साहिबाबाद और न्यू अशोक नगर का 13 किलो मीटर कर रेपिड रेल खंड आज शाम पांच बजे से यात्रियो के लिए खुल जाएगा।

श्री मोदी ने साहिबाबाद स्टेशन पर डिजिटल भुगतान कर के नमो भारत ट्रेन का टिकट खरीद और स्टेशन में प्रवेश किया। उन्होंने दुल्हन की तरह सजे दोनों स्टेशनों का निरीक्षण किया और सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। यह रेल मार्ग अब न्यू अशोक नगर से दक्षिण मेरठ के 55 किलो मीटर की यात्रा के लिए चालू हो गया है। जून तक दिल्ली में सरायकाले खां तक का खंड भी यात्रा के लिए खुल जाने की संभावना है।

प्रधानमंत्री मोदी के स्वागत के लिए उपस्थित अधिकारियों ने इस अवसर पर रिजनल रैपिड रेल प्रणाली नमो भारत ट्रेन को चित्रत करने वाला एक स्मृति चिह्न चिह्न भेज टिया। उनके स्वागत के लिए रैपिड रेल के न्यू अशोक नगर स्टेशन पर बच्चों की एक टोली भी थी।

एक बच्ची ने प्रधानमंत्री को विकास पर केंद्रित एक कविता की कुछ पंक्तियां सुनाई और उन्होंने उसे शाबाशी भी दी। श्री मोदी आज दिल्ली में एक सभा स्थल से दिल्ली में 12,200 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास कर रहे हैं जिनमें दिल्ली-मेरठ क्षेत्रीय द्रुत-रेल परिवहन प्रणाली के दिल्ली से जोड़ने वाला एक खंड, दिल्ली मेट्रो रेल और आयुष क्षेत्र की परियोजनाएं शामिल हैं। क्षेत्रीय द्रुत रेल प्रणाली से दिल्ली और मेरठ के बीच यात्रा में आसानी होगी। प्रधानमंत्री पूर्वाह्न करीब 11:15 बजे दिल्ली-मेरठ द्रुत क्षेत्रीय रेल-ट्रांजिट प्रणाली (आरआरटीएस) के साहिबाबाद स्टेशन पर पहुंचे। उन्होंने वहां से न्यू अशोक नगर आरआरटीएस स्टेशन तक नमो भारत ट्रेन में यात्रा भी की और 4600 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित इस 13 किलो मीटर के नमो भारत रेल-मार्ग खंड का उद्घाटन भी किया। यह क्षेत्रीय रैपिड रेल परियोजा क्षेत्रीय संपर्क बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण कदम है और इससे त्वरित एवं आधुनिक रेल सेवा दिल्ली में पहुंच जाएगी जो अभी मेरठ के निकट से साहिबाबाद के बीच चल रही थी। इस उद्घाटन के साथ दिल्ली को अपनी पहली नमो भारत संपर्क सुविधा मिलेगी और दिल्ली तथा मेरठ के बीच यात्रा काफी आसान हो जाएगी। प्रधानमंत्री इसके साथ ही आज दिल्ली मेट्रो फेज-4 के जनकपुरी और कृष्णा पार्क के बीच करीब 1,200 करोड़ रुपये की लागत वाले 2.8 किलोमीटर लंबे हिस्से का भी उद्घाटन किया। यह इस फेज का पहला खंड है, जिसका उद्घाटन किया जा रहा है। इससे पश्चिमी दिल्ली के कृष्णा पार्क, विकासपुरी, जनकपुरी के कुछ हिस्से आदि क्षेत्रों को लाभ मिलेगा।

श्री मोदी दिल्ली मेट्रो फेज-4 के 26.5 किलोमीटर लंबे रिठाला-कुंडली खंड की आधारशिला रखेंगे, जिसकी लागत करीब 6,230 करोड़ रुपये होगी। यह कॉरिडोर दिल्ली के रिठाला को हरियाणा के नाथूपुर (कुंडली) से जोड़ेगा, जिससे दिल्ली और हरियाणा के उत्तर-पश्चिमी इलाकों में यातायात में उल्लेखनीय सुधार होगा और इसका लाभ रोहिणी, बवाना, नरेला और कुंडली जैसे क्षेत्र के निवासियों को मिलेगा। रिठाला-कुंडली खंड के चालू होने के बाद विस्तारित रेड लाइन मेट्रो मार्ग के माध्यम से दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में यात्रा को सुविधाजनक बनायेगा। श्री मोदी रोहिणी के सभा स्थल से नयी दिल्ली में केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान (सीएआरआई) के लिये नये अत्याधुनिक भवन की आधारशिला भी रखेंगे, जिसका निर्माण करीब 185 करोड़ रुपये की लागत से किया जायेगा। यह परिसर अत्याधुनिक स्वास्थ्य सेवा और चिकित्सा अवसंरचना प्रदान करेगा।

दिल्ली की जनता को चौतरफा विकास को समर्पित सरकार चाहिए: मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि दिल्ली की जनता को चौतरफा विकास और जन कल्याण – इन दोनों कामों के लिए पूरी तरह समर्पित सरकार की आवश्यकता है। श्री मोदी दिल्ली विधान सभा चुनाव की घोषणा से पहले राजधानी और एनसीआर से जुड़ी 12200 करोड़ रुपये की परियोनाओं का आज शिलान्यस अथवा उद्घाटन करने जा रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, 'दिल्ली की जनता-जनार्दन को अब राजधानी के चौतरफा विकास के साथ-साथ जनकल्याण को पूरी तरह समर्पित सरकार चाहिए। उनके इसी संकल्प के बीच आज दोपहर बाद करीब एक बजे यहां के अपने परिवारजनों के साथ संवाद का अवसर मिलेगा।' श्री मोदी आज अपराह्न दिल्ली के रोहिणी इलाके में जनसभा को संबोधित करने वाले हैं। श्री मोदी ने सुबह एक्स पर एक और पोस्ट में कहा, 'दिल्ली-एनसीआर के लिए आज का दिन बेहद महत्वपूर्ण है। आज पहली बार जहां नमो भारत ट्रेन राजधानी में प्रवेश करेगी, वहीं दिल्ली दिल्ली मेट्रो के विस्तार सहित कई विकास परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास का (मुझे) अवसर मिलेगा।' उन्होंने कहा है कि उनकी सरकार दिल्ली में क्षेत्रीय आवागमन सुविधाओं के विस्तार के साथ ही सफर को सुविधाजनक बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। गौरतलब है कि दिल्ली की 70 सदस्यीय विधान सभा के पंचवर्षीय चुनाव के लिए निर्वाचन आयोग अब अगले कुछ दिनों में घोषणा कर सकता है।

कल्याण सिंह जी की कार्यकुशलता, कर्मठता व प्रशासनिक क्षमता को हर किसी ने किया स्वीकार: योगी आदित्यनाथ

कल्याण सिंह ने आरएसएस की शाखा के माध्यम से खुद को राष्ट्रभक्ति के सांचे में ढाला था: मुख्यमंत्री

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कल्याण सिंह जी भारत मां के महान सपूत, राष्ट्रभक्त व रामभक्त थे। 1932 में अलीगढ़ के एक छोटे से गांव में आज ही के दिन सामान्य किसान परिवार में उनका जन्म हुआ था। बाल्यकाल से ही देश की आजादी की लड़ाई को देखने, स्वतंत्रता के बोध व भावी भारत के निर्माण में हमारी क्या भूमिका होगी, इन संस्कारों से ओतप्रोत बालक कल्याण सिंह ने उस समय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सामान्य शाखा से लेकर आगे के कार्यक्रमों के माध्यम से खुद को राष्ट्रभक्ति के सांचे में ढाला था। किसान, शिक्षक, 1977 में प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री, विधायक, सांसद, दो बार प्रदेश के मुख्यमंत्री व दो राज्यों के राज्यपाल के रूप में उनकी कार्यकुशलता, कर्मठता व प्रशासनिक क्षमता की दक्षता को हर किसी ने स्वीकार किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व मुख्यमंत्री व राज्यपाल 'पद्म विभूषण' कल्याण सिंह की जयंती पर 2, मॉल एवेन्यू में आयोजित कार्यक्रम में उनके चित्र पर पुष्पांजलि की। सीएम ने कहा कि उनकी स्मृतियों की जीवंतता बनाए रखने के लिए प्रदेश सरकार ने लखनऊ में अत्याधुनिक कैंसर इंस्टीट्यूट और बुलंदशहर के मेडिकल कॉलेज का नामकरण भी श्रद्धेय कल्याण सिंह जी के नाम पर रखा है।

कल्याण सिंह ने कभी सिद्धांतों व मूल्यों से समझौता नहीं किया

सीएम ने कहा कि सत्ता के लिए लोग सिद्धांतों की तिलांजलि दे देते हैं। कुछ प्राप्त करने के लिए मूल्यों के साथ समझौता करते हैं, लेकिन कल्याण सिंह जैसे व्यक्तित्व ने मूल्यों व सिद्धांतों के साथ कभी समझौता नहीं किया। रामजन्मभूमि आंदोलन और उसके बाद भी प्रदेश की राजनीति को नई दिशा देने, प्रशासनिक दक्षता को परिपूर्ण करने के लिए उनके द्वारा 1990 के दशक के प्रारंभ व उत्तरार्ध में जो प्रयास प्रारंभ किए गए थे, वह नए उत्तर प्रदेश का दर्शन कराते हैं।

जब कल्याण सिंह बने सीएम, तब पहली बार यूपी वालों को हुआ सुशासन का अहसास

सीएम ने कहा कि देश 1947 में आजाद हुआ, लेकिन उत्तर प्रदेश के लोगों को पहली बार इसका अहसास तब हुआ, जब मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण करके कल्याण सिंह जी ने शासन व्यवस्था को आगे बढ़ाया। उस समय भी उन्हें अस्थिर करने के लिए झुंड के झुंड अव्यवस्था फैलाने पर उतारू थे। उसकी परवाह किए बिना उन्होंने श्रीराम मंदिर निर्माण के लिए सरकार की तिलांजलि दी। उनकी दूरदर्शिता थी, जो सपना उन्होंने देखा, वह साकार हो गया। आज अयोध्या में रामजन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण कार्य पूरा हो गया तो उनकी आत्मा को भी असीम शांति प्राप्त हुई होगी।

नकल विहीन परीक्षा के माध्यम से युवाओं के भविष्य को उज्ज्वल करने का चलाया था अभियान

सीएम ने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय के जिस एकात्म मानववाद को उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पाठशाला में सीखा था, उसे धरातल पर भी उतारा। अन्नदाता किसानों के लिए घोषित योजनाएं हों, नकल विहीन परीक्षा के माध्यम से उप्र के युवाओं के भविष्य को उज्ज्वल करने के उनके द्वारा चलाया गया अभियान भी अनुकरणीय है।

सीएम योगी ने कहा कि 21 अगस्त 2021 को वे भौतिक काया से हमारे बीच नहीं रहे, लेकिन उनका मार्गदर्शन शासन-प्रशासन के लिए आज भी पाथेय बना है। उप्र में जब भी शुचिता की बात होती है, हर प्रदेशवासी श्रद्धा-सम्मान के साथ कल्याण सिंह का नाम लेता है। उनके द्वारा प्रारंभ किए गए अभियान मजबूती के साथ सुशासन के लक्ष्यों को प्राप्त करके आमजन के जीवन में परिवर्तन करते दिखाई देते हैं। जिस नए उत्तर प्रदेश के निर्माण के लिए उन्होंने अपना जीवन लगाया, उसके लिए हम सब मिलकर कार्य करें। सीएम ने कहा कि राष्ट्रवाद व सुशासन का मंत्र ही नए भारत के निर्माण में उत्तर प्रदेश की भूमिका को रेखांकित कर पाएगा।

बेसिक शिक्षा मंत्री के रूप में शिक्षा को नई दिशा दे रहे कल्याण सिंह जी के पौत्र

सीएम ने कहाकि जिस बेसिक शिक्षा स्कूल के छात्र के रूप में कल्याण सिंह जी ने पढ़ाई और अध्यापक के रूप में कार्य किया होगा। उनके पौत्र आज उस विभाग के मंत्री के रूप में शिक्षा को नई दिशा दे रहे हैं। यही पूर्वजों की तपस्या और साधना का फल है। सही दिशा में किए गए प्रयास से परिणाम अवश्य आएंगे। 25 करोड़ जनता के जीवन में सुरक्षा व खुशहाली लाकर कल्याण सिंह के सपनों का उत्तर प्रदेश बढ़ाया जा सकता है।

स्व. कल्याण सिंह के पुत्र पूर्व सांसद राजवीर सिंह 'राजू भैया' ने आगंतुकों का स्वागत किया।

इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, केंद्रीय मंत्री बीएल वर्मा, कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, सांसद साक्षी जी महाराज, बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह आदि मौजूद रहे।

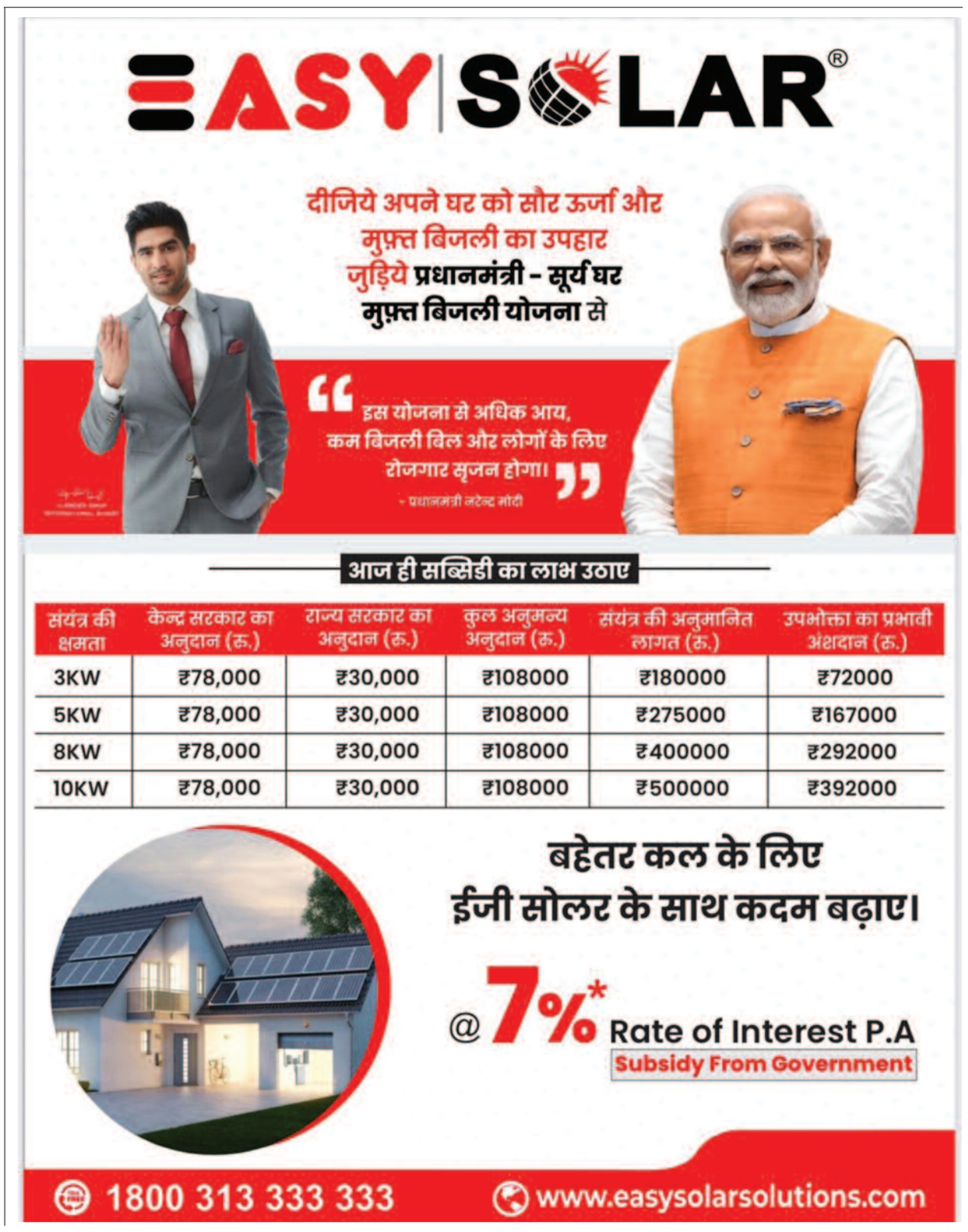

समस्याओं के समाधान के लिए नगर आयुक्त पहुंचे जनता के द्वारा, इंदिरापुरम में आयोजित हुई जन चौपाल

इंदिरापुरम मे हुई जन चौपाल, 07 वार्डों के पार्षदों सहित क्षेत्र वासियों ने नगर आयुक्त से की सीधी बात

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। गाजियाबाद नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा जन समस्याओं के समाधान को लेकर जन चौपाल का आयोजन किया गया है, इंदिरापुरम वार्ड संख्या 100 शिप्रा सनसिटी के बाल वाटिका पार्क में जन समस्याओं को सुनाने हेतु चौपाल का आयोजन किया गया मौके पर गाजियाबाद नगर निगम के सभी विभाग के अधिकारी टीम सहित उपस्थित रहे, इंदिरापुरम क्षेत्र अंतर्गत आने वाले साथ वार्ड के पार्षद तथा क्षेत्रीय निवासी भी उपस्थित रहे।

जन चौपाल के दौरान नगर आयुक्त द्वारा क्षेत्र वासियों को नव वर्ष की शुभकामनाएं देते हुए सिंगल यूज प्लास्टिक बहिष्कार हेतु अपील की, क्षेत्र वासियों को गीला तथा सूखा कचरा अलग-अलग कर निगम के डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन वाहनों को देने के लिए भी अपील की गई, इंदिरापुरम क्षेत्र में अवैध अतिक्रमण की समस्या क्षेत्रीय निवासियों द्वारा बताई गई जिस पर नगर आयुक्त द्वारा जोनल प्रभारी एसके राय को अभियान चलाने के निर्देश दिए गए' वार्ड संख्या 57 वार्ड संख्या राधेश्याम त्यागी, वार्ड संख्या 100 संजय सिंह, वार्ड संख्या 79 हरीश वार्ड संख्या 81 धीरज वार्ड संख्या 87 अनुज वार्ड संख्या 99 अभिनव जैन व अन्य निवासियों द्वारा नगर आयुक्त तथा निगम अधिकारियों का इंदिरापुरम हैंडोवर को लेकर धन्यवाद तथा स्वागत भी किया गया साथ ही सीवर मैन हाल ओवरफ्लो की समस्या के समाधान को लेकर चर्चा भी की गई।

गाजियाबाद नगर निगम द्वारा इंदिरापुरम में 97 पार्कों को सुसज्जित करने का कार्य शुरू कर दिया गया है। नगर आयुक्त द्वारा रफ्तार से कार्यवाही करने के निर्देश डॉ अनुज प्रभारी उद्यान को दिए गए साथ ही डॉक्टर अनुज द्वारा बताया गया कि सभी वार्डों में ओपन जिम भी लगाने का कार्य पूर्ण किया जा चुका है, निर्माण तथा जलकल विभाग को भी इंदिरापुरम क्षेत्र में रफ्तार से कार्य करने के लिए कहा गया, जन चौपाल के दौरान क्षेत्र वासियों ने इंदिरापुरम अंतर्गत बनने वाले जोनल ऑफिस पर प्रशंसा भी जाहिर की, महापौर सुनीता दयाल तथा नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व में इंदिरापुरम क्षेत्र में भी विकास के कार्यों को रफ्तार देने का कार्य निगम कर रहा है जो की सराहनीय है।

नगर आयुक्त द्वारा बताया गया कि जन समस्याओं का समाधान प्राथमिकता पर हो इसके लिए गाजियाबाद नगर निगम तत्परता से कार्य कर रहा है। इसी क्रम में जन चौपाल सभी जोन में होगी जिसे आंतरिक वार्डों में रहने वाले निवासियों से समन्वय बना रहेगा तथा उनकी समस्याओं का समाधान मौके पर करने का प्रयास रहेगा साथ ही निगम की योजनाओं के साथ जन-जन को जोड़ने का कार्य जन चौपाल के माध्यम से पूर्ण होगा जो कि निगम का सराहनीय प्रयास है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला भूगर्भ जल समिति की बैठक आयोजित, कुल 32 आवेदनों में से 23 पर स्वीकृति प्रदान

अवैध रूप से भूजल दोहन करने वालों पर की जाएं बोरवेल सीलिंग व दण्डात्मक कार्यवाही:इन्द्र विक्रम सिंह

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। दुर्गावती देवी सभागा, विकास भवन में जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में उ०प्र० भूगर्भ जल (प्रबन्धन और विनियमन) अधिनियम के अन्तर्गत जिला भूगर्भ जल प्रबन्धन परिषद द्वारा घरेलू या कृषि उपयोग के लिये कूप रजिस्टरिकरण / अनापत्ति प्रमाण-पत्र एन०ओ०सी० नवीनीकरण के लिये निवेश मित्र पोर्टल पर प्राप्त 32 आवेदनों के निस्तारण हेतु सभी नामित सदस्यों के साथ बैठक आयोजित की गयी। जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह ने कहा कि हमारा उद्देश्य होना चाहिए कि किस प्रकार से भूजल स्तर में उत्कृष्ट सुधार किया जा सके। जिन लोगों द्वारा अवैध रूप से भूजल दोहन किया जा रहा है या जिनका पंजीकरण निरस्त कर दिया गया है वहां बोरवेल सीलिंग करते हुए दण्डात्मक कार्यवाही करना सुनिश्चित किया जाएं। उन्होने कहा कि तालाबों का बा' सौन्दर्यकरण तो होना चाहिए किन्तु उससे भी अधिक आवश्यक यह है कि जनपद में जहां–जहां तालाब बने हैं उनका निरीक्षण करते हुए तालाबों द्वारा कितना भूजल रिचार्ज हो रहा है इसकी जानकारी प्राप्त की जाएं। इस मौके पर जिलाधिकारी महोदय ने बताया कि वह जल्द ही तालाबों का औचक निरीक्षण करेंगें।

बैठक में उ०प्र० भूगर्भ जल (प्रबन्धन और विनियमन) अधिनियम के अंतर्गत घरेलू या कृषि उपयोग के लिए कूप के रजिष्ट्रीकरण, कूप हेतु अनापत्ति प्रमाण पत्र के नवीनीकरण, वेधन अभिकरण (उ्र्र'ॅल्लॅ औल्लू८) के रजिष्ट्रीकरण हेतु, वाणिज्यिक अथवा औद्योगिक अथवा अवसंरचनात्मक अथवा सामूहिक उपभोक्ता उपयोग के लिए कूप के अनापत्ति प्रमाण-पत्र हेतु प्राप्त कुल आवेदनों का निस्तारण किया गया। जिसमें पंजीकरण हेतु 14 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें 11 आवेदन स्वीकृति और 03 अस्वीकृति मिली। अनापत्तिनवीनीकरण हेतु 12 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें 07 आवेदन स्वीकृति और 05 अस्वीकृति मिली। अनापत्तिनवीनीकरण हेतु 06 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें 05 आवेदन स्वीकृति और 01 अस्वीकृति मिली। इस प्रकार कुल 32 आवेदनों में से 23 पर स्वीकृति व 09 पर अस्वीकृति मिली।

डीएम इन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में सेमिनार एवं कैंप आयोजित

कैंप का काउंटरवार किया डीएम ने भ्रमण, 500 व्यक्तियों को योजनाओं की जानकारी देते हुए दिये ब्रोशर

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश शासन से प्राप्त निर्देशों के क्रम में जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में एचएलएम ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशनमें उत्तर प्रदेश शासन द्वारा नव घोषित मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जागरूकता कार्यक्रम के दौरान योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारियां दी गयी। जिसमें सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम तथा निर्यात प्रोत्साहन विभाग उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जनपद में रोजगार सृजन हेतु एक नई पहल मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना संचालित की गई है, जिसमें उत्तर प्रदेश का निवासी, 21 से 40 वर्ष की आयु तक, न्यूनतम आठवीं पास तथा राज्य अथवा केंद्र सरकार द्वारा संचालित प्रशिक्षण योजनाओं में कौशल उन्नयन योजना आदि में प्रशिक्षित लाभार्थी द्वारा आवेदन किया जा सकता है। उक्त योजना अंतर्गत लाभार्थी को उद्योग एवं सेवा क्षेत्र में अधिकतम रुपए 5 लाख तक का ब्याज मुक्त ऋण प्रदान किया जाएगा। योजना के प्रचार प्रसार एवं योजना की जानकारी जनपद के सभी वर्गों में पहुंचाने के उद्देश्य से एचएलएम ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन गाजियाबाद में जिलाधिकारी गाजियाबाद की अध्यक्षता में सेमिनार एवं कैंप का आयोजन किया गया। उक्त सेमिनार में लगभग 1200 व्यक्तियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह एवं सीडीओ अभिनव गोपाल द्वारा उक्त कैंप का काउंटरवार भ्रमण किया गया एवं जानकारी चाही गई कि उक्त कैंप के दौरान कितने लाभार्थियों का आवेदन कराया गया है। उपायुक्त उद्योग श्रीनाथ पासवान द्वारा अवगत कराया गया कि कैंप के दौरान लगभग 500 व्यक्तियों को योजना की जानकारी देते हुए ब्रोशर प्रदान किए गए हैं तथा 200 व्यक्तियों के ऑनलाइन पंजीकरण हेतु दस्तावेज तैयार किए गए हैं, जिनका आवेदन कराते हुए आवेदन शीघ्र ही बैंको को अग्रसारित किए जाएंगे। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी द्वारा योजना के विषय में विस्तृत जानकारी देते हुए सभी को स्वरोजगार की ओर अग्रसर होने दी गई तथा उक्त योजना में अधिक से अधिक आवेदन किए जाने की अपील की गई। उक्त सेमिनार में जनपद के एक जनपद एक उत्पाद योजना के लाभार्थियों को मुख्य विकास अधिकारी गाजियाबाद एवं जिलाधिकारी गाजियाबाद के कार्यक्रमों से टूलकिट एवं प्रमाण पत्र वितरण किया गया। बैठक में एच एल एम ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन के निदेशक अजय अग्रवाल, लोहा एवं विक्रेता मंडल औद्योगिक संगठन के पदाधिकारी अतुल जैन द्वारा भी प्रतिभाग किया गया।

प्रातः कालीन निरीक्षण में नगर आयुक्त ने स्वास्थ्य प्रहरियों से की मुलाकात

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। नगर निगम लगातार शहर को धूल मुक्त बनाने में जुटा हुआ है स्वास्थ्य विभाग द्वारा निरंतर डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन भी किया जा रहा है । नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व में बाहरी मार्गों के साथ-साथ वार्डों की आंतरिक गलियों में भी शहर की सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ किया जा रहा है। प्रातः कालीन निरीक्षण के क्रम में नगर आयुक्त सेक्टर 23 संजयनगर पहुंचे तथा वहां पर कार्य कर रहे सफाई मित्रों से मुलाकात की मुलाकात के साथ-साथ नगर आयुक्त द्वारा सभी उपस्थित सफाई मित्रों के साथ चाय भी पी गई। स्वच्छता के प्रति मोटिवेट किया गया। नगर आयुक्त द्वारा कविनगर, राजनगर, गोविंदपुरम, शास्त्री नगर मेहरौली, रजापुर, के क्षेत्र की सफाई व्यवस्था का जाएजा लिया गया। सफाई कर रहे सफाई मित्रों से वार्ता की गई उनके परिवार जनों का हाल भी

- **सफाई व्यवस्था का लिया फीडबैक**
- **नगर आयुक्त ने सफाई मित्रों से की चाय पर चर्चा**

जाना गया तथा सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के लिए मोटिवेट भी किया गया। बेहतर कार्य करते हुए पाए गए सफाई मित्रों को मौके पर पुरस्कृत भी किया गया।

नगर आयुक्त द्वारा सफाई मित्रों को गीला कचरा तथा सूखा कचरा अलग-अलग करने के लिए शहर वासियों को लगातार जागरुक करते रहने के लिए भी निर्देशित किया गया। सफाई के उपरांत कूड़े के ढेर प्रतिदिन उठाए जाएं सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को मॉनिटरिंग बढ़ाने हेतु कहा गया। निरीक्षण के दौरान मौके पर नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर मिथिलेश, जोनल सेनेटरी ऑफिसर ओमपाल, सफाई निरीक्षक हिमांशु व अन्य उपस्थित रहे।

ठंड से बचाव के लिए कंबल वितरण

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। नववर्ष की पूर्वरात्रि की शुभ बेला पर सामाजिक कल्याणवमें जुटी संस्था एनजीओ रोशनी के द्वारा रिक्शा वाले भाइयो और झुग्गियों में कड़ाके के ठंड से बचाव के लिए कंबल वितरित किए गए।

इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष डॉ. प्रमोद शर्मा ने कहा कि मानव सेवा ही नारायण की आराधना है। इस अवसर पर कैप्टन विनोद शर्मा, दीपक शर्मा आदि ने भी कम्बल वितरित किए।

मेयर सुनीता दयाल ने नये साल के मौके पर कर दिया साफ

नगर निगम की जमीनों पर किसी कीमत पर नहीं होने दिया जाएगा अतिक्रमण

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। हाल ही में पुराना साल समाप्त होकर नया साल 2025 शुरू हुआ है। नये साल के मौके पर लोगों द्वारा नये संकल्प भी लिए जाते हैं और नये साल के लिए अपनी योजनाओं की घोषणा भी की जाती है। गाजियाबाद की मेयर सुनीता दयाल ने भी नये साल पर अपना संकल्प एक बार फिर दोहराया है। मेयर सुनीता दयाल ने नव वर्ष के मौके पर एक बार फिर साफ कर दिया है कि वो नगर निगम की जमीनों पर किसी भी कीमत अतिक्रमण नहीं होने देंगी। मेयर सुनीता दयाल ने इस संबंध में निगम के आला अधिकारियों को भी स्पष्ट दिशा-निर्देश दे दिए हैं। नगर निगम के अधिकारी मेयर सुनीता दयाल के निर्देशों पर कितना खरा उतरते हैं यह एक बड़ा सवाल होगा। गाजियाबाद की मेयर सुनीता दयाल अपने तीखे तेवरों से लिए खास पहचान बना चुकी हैं। मेयर सुनीता दयाल को नगर निगम की कार्यप्रणाली में जहाँ भी खामियाँ नजर आती हैं उन्हें दूर करने के लिए वो खुद ही मैदान में भी उतर जाती हैं। मेयर सुनीता दयाल को जैसे ही गाजियाबाद नगर निगम क्षेत्र में दिल्ली का कूड़ा डालने की खबर मिली उन्होंने स्वंय ही मौके पर जाकर इसकी पड़ताल की थी। इतना ही नहीं मेयर सुनीता दयाल ने खुद मौके पर पहुँचकर ही मोरटा क्षेत्र में दिल्ली का कूड़ा डालने आए लगभग दर्जन भर ट्रकों को पकड़ कर पुलिस के हवाले भी कर दिया था। मेयर सुनीता दयाल के इस कदम की तारीफ भी गाजियाबाद के राजनीतिक गलियारों में खूब हुई थी। मेयर सुनीता दयाल गाजियाबाद नगर निगम की जमीनों पर अतिक्रमण को लेकर भी खूब चचाओं में रही हैं। गाजियाबाद नगर निगम की टीम जब कैला भट्टा क्षेत्र में निगम की करोड़ों रुपये की जमीन पर अतिक्रमण हटाने गई तो मेयर सुनीता दयाल भी मौके पर पहुँच गईं थी। गाजियाबाद नगर निगम की टीम जब अतिक्रमण हटा रही थी तो मेयर सुनीता दयाल भी वहाँ डटीं रहीं। मेयर सुनीता दयाल अपने महज डेढ़ वर्ष के कार्यकाल के दौरान ही अभी तक गाजियाबाद नगर निगम की अरबों रुपये की जमीन को अतिक्रमणकारियों से कब्जा मुक्त करवा चुकी हैं। मेयर सुनीता दयाल ने हाल ही में डासना गेट और इंदिरापुरम क्षेत्र में भी नगर निगम की जमीन अतिक्रमण होने से बचाई है। मेयर के कड़े तेवरों का असर गाजियाबाद में बखूबी दिखाई भी दे रहा है और यहाँ नगर निगम की जमीनों पर अतिक्रमण करने वाले लोग इससे दहशत में भी दिखाई देने लगे हैं।

श्री दूधेश्वर नाथ महादेव महाकुंभ शिविर के लिए खाद्य सामग्री लेकर दूधेश्वर नाथ मंदिर से ट्रक हुआ रवाना

श्रीमहंत हरि गिरि महाराज के सानिध्य में 5 जनवरी से 5 फरवरी तक लगेगा शिविर

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। प्रयागराज महाकुंभ में देश-विदेश से आने वाले संतों व भक्तों की सेवा के लिए विश्व प्रसिद्ध सिद्धपीठ श्री दूधेश्वर नाथ मठ महादेव मंदिर द्वारा जूना अखाड़े के अंतरराष्ट्रीय संरक्षक एवं अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के महामंत्री श्रीमहंत हरि गिरि महाराज तथा मंदिर के पीठाधीश्वर व जूना अखाड़ा के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज के पावन सानिध्य में श्री दूधेश्वर नाथ महादेव महाकुंभ शिविर लगाया जाएगा। यह शिविर 5 जनवरी से 5 फरवरी तक सेक्टर 20 संगम लोअर मार्ग शास्त्री ब्रिज के नीचे कुंभ मेला क्षेत्र में लगाया जाएगा। शिविर में संतों व भक्तों के लिए भोजन प्रसादम, चिकित्सा आदि की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। रोजाना अन्नपूर्णा भंडारे का आयोजन कर हजारों श्रद्धालुओं को प्रसाद ग्रहण कराया जाएगा। शिविर के लिए सिद्धपीठ श्री दूधेश्वर नाथ मठ महादेव मंदिर से रात्रि 12 बजे चाद सामग्री के ट्रक को प्रयागराज के लिए रवाना किया। मंदिर के प्रबंधक शंकर झा, आचार्य लक्ष्मीकांत, अमित शर्मा, श्री दूधेश्वर वेद विद्यापीठ के आचार्योव विद्यार्थियों ने मंत्रोच्चारण कर ट्रक को रवाना किया। श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज ने भक्तों से अपील की कि वे 16 जनवरी से 25 जनवरी के बीच ही प्रयागराज महाकुंभ आएं। 25 जनवरी के बाद मेले में संतों व भक्तों की बहुत अधिक भीड हो जाएगी। ऐसे में व्यवस्था कर पाना संभव नहीं हो पाएगा। महाराजश्री ने कहा कि अत' सभी भक्त 16 जनवरी से 25 जनवरी के बीच ही प्रयागराज महाकुंभ पहुंचे ताकि व्यवस्था करने में आसानी हो और भक्त महाकुंभ का पूर्ण रूप से लाभ उठा सकें। ट्रक श्री दूधेश्वर नाथ महादेव महाकुंभ शिविर के लिए खाद्य सामग्री लेकर दूधेश्वर नाथ मंदिर से ट्रक हुआ रवाना श्रीमहंत हरि गिरि महाराज के सानिध्य में 5 जनवरी से 5 फरवरी तक लगेगा शिविर श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज ने भक्तों से अपील की कि, महाकुंभ में 16 से 25 जनवरी के बीच ही आएं महाराजश्री बोले, 25 जनवरी के बाद मेले में बहुत अधिक भीड होने से व्यवस्था बनाना संभव नहीं होगा।

प्रयागराज महाकुंभ में देश-विदेश से आने वाले संतों व भक्तों की सेवा के लिए विश्व प्रसिद्ध सिद्धपीठ श्री दूधेश्वर नाथ मठ महादेव मंदिर द्वारा जूना अखाड़े के अंतरराष्ट्रीय संरक्षक एवं अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के महामंत्री श्रीमहंत हरि गिरि महाराज तथा मंदिर के पीठाधीश्वर व जूना अखाड़ा के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज के पावन सानिध्य में श्री दूधेश्वर नाथ महादेव महाकुंभ शिविर लगाया जाएगा। यह शिविर 5 जनवरी से 5 फरवरी तक सेक्टर 20 संगम लोअर मार्ग शास्त्री ब्रिज के नीचे कुंभ मेला क्षेत्र में लगाया जाएगा। शिविर में संतों व भक्तों के लिए भोजन प्रसादम, चिकित्सा आदि की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। रोजाना अन्नपूर्णा भंडारे का आयोजन कर हजारों श्रद्धालुओं को प्रसाद ग्रहण कराया जाएगा। शिविर के लिए सिद्धपीठ श्री दूधेश्वर नाथ मठ महादेव मंदिर से रात्रि 12 बजे चाद सामग्री के ट्रक को प्रयागराज के लिए रवाना किया। मंदिर के प्रबंधक शंकर झा, आचार्य लक्ष्मीकांत, अमित शर्मा, श्री दूधेश्वर वेद विद्यापीठ के आचार्योव विद्यार्थियों ने मंत्रोच्चारण कर ट्रक को रवाना किया। श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज ने भक्तों से अपील की कि वे 16 जनवरी से 25 जनवरी के बीच ही प्रयागराज महाकुंभ आएं। 25 जनवरी के बाद मेले में संतों व भक्तों की बहुत अधिक भीड हो जाएगी। ऐसे में व्यवस्था कर पाना संभव नहीं हो पाएगा।

जीडीए में मानचित्र समाधान दिवस का आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। गाज़ियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) द्वारा मानचित्र समाधान दिवस का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस आयोजन का नेतृत्व विकास प्राधिकरण के वीसी अतुल वत्स के निदेर्शानुसार किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नागरिकों की मानचित्र से संबंधित समस्याओं का त्वरित और समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना था।

जीडीए सचिव द्वारा ओबीपीएएस से संबंधित प्रकरणों की समीक्षा की गई। प्रकरणों के त्वरित निस्तारण और प्रक्रियाओं को सरल बनाने के लिए निर्देश जारी किए गए। बड़ी संख्या में नागरिकों ने अपनी आवासीय, व्यावसायिक और औद्योगिक मानचित्रों से जुड़ी समस्याएँ प्रस्तुत कीं। अधिकारियों ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए अधिकांश समस्याओं का समाधान किया। वीसी अतुल वत्स ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि नागरिकों की शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित किया जाए। यह पहल प्राधिकरण और नागरिकों के बीच विश्वास और सहयोग को बढ़ाने में सहायक सिद्ध हुई। गाज़ियाबाद विकास प्राधिकरण इस प्रकार के जनहितकारी प्रयासों को आगे भी जारी रखेगा, ताकि नागरिकों को तेज, पारदर्शी और प्रभावी सेवाएँ प्रदान की जा सके।

जनता की समस्याओं पर तत्काल हो कार्रवाई: सीएम योगी

कड़ाके की ठंड में भी आयोजित हुआ योगी का जनता दर्शन कार्यक्रम

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

- **मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सुनीं 150 लोगों की समस्याएं, निस्तारण के दिए निर्देश**

गोरखपुर। शुक्रवार को कड़ाके की ठंड के बावजूद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को नए साल के पहले जनता दर्शन में गोरखनाथ मंदिर पहुंचे लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और त्वरित व संतुष्टिपरक समाधान का भरोसा दिया। सबको आश्वस्त किया कि किसी के साथ नाइंसाफी नहीं होगी।

इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को हिदायत दी कि हर पीड़ित की समस्या पर तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान शुक्रवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में करीब 150 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं।

सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

प्रतिकूल मौसम को देखते हुए इस बार जनता दर्शन का आयोजन मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सभागार में किया गया।

यहां कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और एक-एक फरियादी से मिले। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी।

उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए।

राजस्व व पुलिस से जुड़े मामलों को उन्होंने पूरी पारदर्शिता व निष्पक्षता के साथ निस्तारित करने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए। यदि कोई किसी की भूमि पर जबरन कब्जा कर रहा हो तो उसे अपनी कानून सम्मत सबक सिखाया जाए।

गोरखनाथ मंदिर की गोशाला में की गोसेवा

गोरखपुर प्रवास के दौरान गोरखनाथ मंदिर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की शुक्रवार सुबह दिनचर्या परंपरागत रही। उन्होंने प्रात :काल गोरखनाथ मंदिर में गुरु गोरखनाथ का दर्शन-पूजन किया और अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर जाकर मत्था टेका। सीएम योगी जब भी गोरखनाथ मंदिर में होते हैं तो गोसेवा उनकी दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा रहती है। शुक्रवार सुबह भी वह मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए मंदिर की गोशाला में पहुंचे और वहां कुछ समय व्यतीत किया। गोशाला में सीएम योगी ने चारों तरफ भ्रमण करते हुए गोवंश को उनके नामों से पुकारा। उनकी आवाज इन गोवंश के लिए जानी पहचानी है। प्यार भरी पुकार सुनते ही कई गोवंश दौड़ते-मचलते हुए उनके पास आ गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनके माथे पर हाथ फेरा, उन्हें खूब दुलारा और अपने हाथों से उन्हें गुड़ खिलाया। मुख्यमंत्री ने गोशाला के कार्यकताओं से सभी गोवंश के स्वास्थ्य व पोषण की जानकारी ली और ठंड के मौसम में विशेष देखभाल के लिए जरूरी निर्देश दिए।

रुद्राभिषेक कर सीएम योगी ने की राष्ट्र कल्याण की कामना

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गोरखपुर। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार प्रातः बेला में गोरखनाथ मंदिर में रुद्राभिषेक कर भगवान भोलेनाथ से राष्ट्र कल्याण और सभी नागरिकों के सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। पौष माह की शुक्ल पक्ष चतुर्थी (विनायक चतुर्थी) के मान में हुए रुद्राभिषेक अनुष्ठान की पूर्णता सीएम योगी ने हवन करके की। गोरखनाथ मंदिर स्थित पीठाधीश्वर आवास के प्रथम तल पर शक्तिपीठ में सीएम योगी ने देवाधिदेव महादेव को विल्व पत्र, कमल पुष्प, दूर्वा, अनेकानेक पूजन सामग्री अर्पित करने कर बाद दूध, दही, घी, शर्करा और कई तीर्थ स्थलों के पवित्र जल से रुद्राभिषेक किया। मठ के विद्वत पुरोहितगण ने शुक्ल यजुर्वेद संहिता के रुद्राष्टाध्यायी के महामंत्रों द्वारा रुद्राभिषेक का अनुष्ठान पूर्ण कराया।

रुद्राभिषेक के बाद मुख्यमंत्री ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन किया। विधि विधान से पूर्ण हुए अनुष्ठान के उपरांत उन्होंने भगवान भोलेनाथ से राष्ट्र के कल्याण की प्रार्थना और समस्त नागरिकों के आरोग्यमय, सुखमय, समृद्धमय व शांतिमय जीवन की मंगलकामना की।

मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में आवास प्लस एप गरीबों को दिलाएगा अपना घर

आवास प्लस एप के माध्यम से जल्द शुरू होगा सर्वेक्षण, बनी ठोस रणनीति

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में, गरीबों और वंचित समुदायों को मुख्यधारा से जोड़ने और उन्हें सम्मानजनक जीवन प्रदान करने के लिए प्रदेश सरकार लगातार काम कर रही है। इसी क्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) को और अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए नई पहलें शुरू की गई हैं। इस बार प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लाभार्थियों का चयन पारदर्शी तरीके से करने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में 10 जनवरी से पहले ऑनलाइन सर्वे शुरू कर दिया जाएगा। इसके लिए 'आवास प्लस एप' लॉन्च किया गया है। यह एप लाभार्थियों के चयन में पारदर्शिता सुनिश्चित करेगा और योजना के तहत आवास उपलब्ध कराने की प्रक्रिया को सरल बनाएगा। सर्वेक्षण में सभी ग्राम पंचायतों के सचिव ऑनलाइन तरीके से भाग लेंगे। उन्हें लॉगिन पासवर्ड और फेस ऑथेंटिकेशन की सुविधा दी जाएगी, जिससे सर्वेक्षणकर्ता और लाभार्थी की पहचान सत्यापित की जा सके। साथ ही, लाभार्थियों को स्वयं अपना रजिस्ट्रेशन करने का विकल्प भी दिया गया है, जिससे प्रक्रिया और अधिक सुलभ हो गई है।

पात्रता में हुआ बड़ा बदलाव, बढ़ेगी लाभार्थियों की संख्या

प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ अधिक से अधिक जरूरतमंद लोगों तक पहुंचे, इसके लिए पात्रता के मानकों को संशोधित किया गया है। पहले जिनकी आय 10,000 रुपये प्रतिमाह से अधिक थी और जिनके पास बाइक, मोबाइल, या फ्रिज था, उन्हें अपात्र माना जाता था। लेकिन अब, इन मानकों में संशोधन कर 15,000 रुपये प्रतिमाह तक आय वाले लोगों को भी पात्रता की श्रेणी में शामिल किया गया है। पहले लाभार्थियों को योजना का लाभ पाने के लिए कार्यालयों में जाकर ऑफलाइन और ऑनलाइन आवेदन करना होता था। अब, सरकार ने आवेदन प्रक्रिया को और सरल बना दिया है। आवेदक अपने मोबाइल फोन से 'पीएमएवाई मोबाइल एप' डाउनलोड कर आवेदन कर सकते हैं। इसके बाद, उन्हें अपने दस्तावेज तहसीलदार कार्यालय में जमा करने होंगे, जहां उनके आवेदन का सत्यापन होगा।

लाभार्थियों के चयन में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए जिलों में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बैठकें आयोजित की जाएंगी। मुख्य विकास अधिकारी योजना से जुड़ी सभी जानकारी मीडिया के माध्यम से साझा करेंगे। साथ ही, पात्रता और अपात्रता के संशोधित मानकों का प्रचार-प्रसार भी सुनिश्चित किया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में तहसील और थाना दिवस के अवसर पर योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति योजना के लाभ से वंचित न रहे। योजना के तहत प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण लाभार्थी चयन-2024 का रजिस्टर तैयार किया जाएगा।

एक बार फिर योगी सरकार ने रचा इतिहास: सुशासन सप्ताह में उ.प्र. में 6 लाख से अधिक लोक शिकायतों का किया निस्तारण

योगी सरकार की पहल पर 6,08,617 लोक शिकायतों का निस्तारण, पूरे देश में प्राप्त किया पहला स्थान

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। योगी सरकार ने सुशासन सप्ताह-24 के अवसर पर पूरे देश में सबसे अधिक लोक शिकायतों का निस्तारण कर पहला स्थान प्राप्त किया है जबकि दूसरे स्थान पर महाराष्ट्र है। इसके अलावा ब्लॉक और मुख्यालय स्तर पर वर्कशॉप के आयोजन में भी पूरे देश में शीर्ष स्थान प्राप्त किया। वहीं दूसरे पायदान पर मध्य प्रदेश है। यह उपलब्धि योगी सरकार की प्रशासनिक क्षमता और जनसेवा के प्रति कटिबद्धता को दशार्ती है।

लोक शिकायत निस्तारण में योगी सरकार का कोई सानी नहीं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के अवसर पर पूरे देश में 19 से 24 दिसंबर के बीच सुशासन सप्ताह मनाया जाता है। सुशासन सप्ताह की वर्ष 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर प्रदेश ने पूरे देश में सबसे अधिक कुल 6,08,617 लोक शिकायतों का निस्तारण कर पहला स्थान प्राप्त किया। वहीं महाराष्ट्र ने 2,33,892 लोक शिकायतों का निस्तारण कर पूरे देश में दूसरा जबकि राजस्थान ने 2,13,415 लोक शिकायतों का निस्तारण कर तीसर स्थान प्राप्त किया है।

उत्तर प्रदेश में आयोजित की गईं 16 हजार से अधिक वर्कशॉप

वहीं पूरे देश में सुशासन सप्ताह के दौरान ज्यादा से ज्यादा लोक शिकायतों के निस्तारण के लिए ब्लॉक, तहसील, जनपद और मुख्यालय स्तर पर वर्कशॉप का आयोजन किया गया। उत्तर प्रदेश ने सबसे अधिक 16,997 वर्कशॉप का आयोजन कर देश में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। इन वर्कशॉप का उद्देश्य लोक शिकायतों को निस्तारण और जनजागरुकता बढ़ाने के साथ प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता लाना है। इन कार्यक्रमों ने जनता और प्रशासन के बीच एक मजबूत संवाद स्थापित किया। वहीं मध्य प्रदेश ने पूरे देश में 13,128 वर्कशॉप का आयोजन कर दूसरा जबकि राजस्थान ने 5,810 वर्कशॉप का आयोजन कर तीसरा स्थान प्राप्त किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दूरदर्शी नीति और प्रशासनिक अधिकारियों के प्रयासों ने उत्तर प्रदेश का नाम पूरे देश में रौशन किया है।

वहीं योगी सरकार ने सुशासन सप्ताह के माध्यम से देश को 'जन सेवा ही प्रथम प्राथमिकता' का संदेश दिया है। जनता की शिकायतों का निस्तारण और जनजागरुकता के लिए कार्यशालाओं का आयोजन, इसका उत्कृष्ट उदाहरण है।

बुंदेलखंड के कायाकल्प की एक और पहल

योगी सरकार ने दी झांसी एवं जालौन को जोड़ने वाले एक और लिंक एक्सप्रेसवे की सौगात

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। योगी सरकार ने बुंदेलखंड के कायाकल्प की एक और पहल की है। इस पहल के तहत सरकार झांसी एवं जालौन को जोड़ने वाले एक और लिंक एक्सप्रेसवे बनाएगी। बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे को चित्रकूट लिंक एक्सप्रेसवे से जोड़ने की पहल सरकार पहले ही कर चुकी है। साल 2024 के जाते झांसी-जालौन लिंक एक्सप्रेसवे की सौगात मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की संकल्पना के अनुसार बुंदेलखंड के कायाकल्प का एक और जरिया बनेगी। झांसी-जालौन लिंक एक्सप्रेसवे की लंबाई करीब 115 किलोमीटर होगी। इससे डिफेंस कॉरिडोर का औद्योगिक इको सिस्टम और बूस्ट करेगा। साथ ही सरकार द्वारा झांसी और कानपुर के बीच नोएडा से भी बड़ा, झांसी के 33 गांवों को मिलाकर 36 हजार एकड़ में बनने वाले औद्योगिक शहर में भी निवेशकों का आकर्षण बढ़ेगा। इसके लिए सरकार बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण (बीडा) के गठन का काम भी शुरू कर चुकी है। इन सबका लाभ सीधी और स्पीडी कनेक्टिविटी मिलने से लखनऊ, कानपुर, आगरा, चित्रकूट और झांसी के डिफेंस कॉरिडोर के नोड को मिलेगा। इसी तरह 15.2 किलोमीटर वाले चित्रकूट लिंक एक्सप्रेसवे के बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे से जुड़ जाने के बाद चित्रकूट के पर्यटन और इस नोड में स्थापित होने वाली डिफेंस कॉरिडोर की इकाइयों को भी खासा फायदा मिलेगा। मालूम हो कि चित्रकूट ही वह क्षेत्र है जहां वनवास के दौरान भगवान श्रीराम ने सीता और लक्ष्मण सहित सर्वाधिक समय गुजारा था।

यहीं भरत उनको मनाने भी आए थे। ऐसे में इसका अच्छा खासा धार्मिक महत्व है। भगवान श्रीराम से जुड़े स्थलों को देखने बड़ी संख्या में यहां श्रद्धालु आते हैं।

मेला क्षेत्र में शिविरों को मिलेंगी सभी सुविधाएं, तीन-तीन बार किया जाएगा सत्यापन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

महाकुम्भ नगर। महाकुम्भ 2025 को भव्य और दिव्य बनाने में जुटी योगी सरकार यहां मेला क्षेत्र में लगने वाले शिविरों को भी तमाम तरह की सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। इसमें शौचालय से लेकर पीने योग्य पानी की आपूर्ति और बिजली आपूर्ति जैसी आवश्यक सेवाएं भी सम्मिलित हैं। सुविधा पर्ची के माध्यम से यह सभी सुविधाएं मिल रही हैं या नहीं, इसको लेकर योगी सरकार ने पारदर्शी प्रक्रिया के तहत सत्यापन की व्यवस्था की है। हालांकि, इसे और मजबूती देने के लिए मेला प्राधिकरण की ओर से सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट को निर्देशित किया गया है कि वे पूरे मेला के दौरान तीन बार सभी संस्थाओं का सत्यापन करेंगे, ताकि सुनिश्चित किया जा सके कि उन्हें वे सभी सुविधाएं मिल रही हैं या नहीं जिसकी उन्हें आवश्यकता है। ये तीनों सत्यापन अलग-अलग समय में किए जाएंगे। प्रयागराज मेला प्राधिकरण द्वारा सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट को दिए गए निर्देशों में कहा गया है कि भूमि और सुविधा आवंटन सॉफ्टवेयर में जितनी संस्थाओं को भूमि और सुविधाओं का आवंटन हुआ है, उनका समय सारणी के अंतराल पर कम से कम तीन बार सत्यापन कर अपडेट किया जाए।

प्राकृतिक विधि के जल शोधन से नदी की शुद्धि के साथ करोड़ों की बचत: मुख्यमंत्री

योगी ने किया राप्ती नदी में गिरने वाले नालों के जल शोधन की 2 करोड़ 70 लाख की परियोजना का शुभारंभ

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को राप्ती नदी में गिरने वाले नालों के प्राकृतिक विधि (फाइटोरेमिडीएशन तकनीकी) से जल शोधन की 2 करोड़ 70 लाख रुपये की नगर निगम की परियोजना का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्राकृतिक विधि से जल शोधन से नदी की शुद्धि के साथ करोड़ों रुपए की बचत भी होगी। इसमें न तो बिजली का खर्च आएगा और न ही मेंटिनेंस का।

तकियाघाट पर आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि गोरखपुर में राप्ती नदी अविरल एवं निर्मल रहे, उसका जल स्वच्छ एवं सुदर रहे, इसके लिए जो प्रयास नगर निगम ने किया है वह सराहनीय है। यह बहुत बड़ा काम हुआ है। यह कार्य उर्वरता और जीवन को बचाने के लिए हुआ है। सीएम ने कहा कि महापुरूषों ने जल को जीवन माना है। प्रदूषित जल के कारण गोरखपुर के साथ पूर्वी उत्तर प्रदेश में 1977 से लेकर 2017 तक 50 हजार मासूम बच्चे इंसेफेलाइटिस एवं वेक्टरजनित बीमारियों के कारण काल के गाल में समा गए। विषाणुजनित बीमारियों से होने वाली मौतों का कारण प्रदूषित जल और गंदगी था। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से स्वच्छ भारत मिशन पूरे देश में लागू हुआ। हर व्यक्ति को शुद्ध पेयजल की आपूर्ति के लिए शहरी क्षेत्र में अमृत मिशन और ग्रामीण क्षेत्र में जल जीवन मिशन प्रारम्भ हुआ। हर घर नल योजना के माध्यम से घर-घर तक शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने का कार्य किया गया।

पीएम मोदी की प्रेरणा से प्रारम्भ हुआ नदी संस्कृति को बचाने का कार्य

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज नामामि गंगे परियोजना के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से नदी संस्कृति को बचाने का कार्य प्रारम्भ किया गया है। आज उसका परिणाम है कि दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक व आध्यात्मिक समागम उत्तर प्रदेश की धरती प्रयागराज में मां गंगा, यमुना और सरस्वती की त्रिवेणी पर महाकुम्भ के रूप में 13 जनवरी से 26 फरवरी तक होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि गोरखपुर में भी हमारी सभ्यता एवं संस्कृति नदी के तट पर बसी है। गोरखपुर राप्ती नदी व रोहिन नदी के तट पर बसा है। जो नदी हमारी सभ्यता व संस्कृति की जननी है, उसे शुद्ध करने का कार्य किया जा रहा है।

350 था बीओडी लेवल, अब 22 हुआ

मुख्यमंत्री ने कहा कि राप्ती नदी में प्रदूषित पानी गिरने के कारण पहले नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल नगर निगम पर लगातार जुमार्ना कर रहा था। नगर निगम ने 110 करोड रुपये की लागत से एसटीपी बनने की तैयारी की थी। तब हमने कहा कि जल शोधन के लिए प्राकृतिक तरीका अपनाया जाए। आज उसका सुखद परिणाम सबके सामने है। पहले यहां पानी का बीओडी (बायो केमिकल ऑक्सीजन डिमांड) लेवल 350 तक पहुंच गया था और खतरनाक जहर से भी बदतर होकर वह खेतों में सिंचाई के लायक भी नहीं था। प्राकृतिक विधि से जल शोधन के बाद अब बीओडी लेवल शुद्ध स्थिति में आ गया है। इस परियोजना में अंतिम छोर पर गिरने वाले पानी का बीओडी लेवल 22 आया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को नगर निगम की प्राकृतिक विधि (फाइटोरेमिडीएशन तकनीकी) से जल शोधन परियोजना का शुभारंभ करने से पूर्व इसका जायजा भी लिया।

सिर्फ एक बार का खर्च और फिर बचत ही बचत

सीएम योगी ने कहा कि प्राकृतिक विधि से जल शोधन की इस परियोजना में सिर्फ एक बार 2 करोड़ 70 लाख रुपये लगे हैं। और, अब इससे करोड़ों रुपए की बिजली और मेंटिनेंस खर्च की बचत होगी। उन्होंने कहा कि इस विधि को और भी अच्छे ढंग से आगे बढ़ा सकते हैं। यह सतत विकास का एक मॉडल है। इसको हम हर नाले के साथ जोड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि सभी ड्रेनेज और सीवर से जुड़े हुए जितने भी नाले हैं, उन सबको इसी रूप में आगे बढ़ाने का कार्य करेंगे तो एक प्राकृतिक मॉडल के माध्यम से कम खर्चे में बेहतर परिणाम देकर जीवन की सबसे बुनियादी आवश्यकता जल की शुद्धता को बनाये रखने में हम सफल हो पायेंगे। समारोह को महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव और विधायक विपिन सिंह ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर भाजपा के महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता, भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के संयोजक भोला अग्रहरि, कालीबाड़ी के महंत रविंद्रदास आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

सम्पादकीय

अंतरिक्ष में भारत ने लगाई लंबी छलांग

अंतरिक्ष में भारत ने नई छलांग लगाई है। भारतीय अंतरिक्ष मिशन (इसरो) के स्पैडेक्स मिशन की शानदार कामयाबी ने उसे अमेरिका, रूस और चीन की कतार में खड़ा कर दिया है। यह हमारे वैज्ञानिकों के सतत अनुसंधान और उनकी मेधा का प्रतिफल है कि हम आने वाले समय में चांद पर इंसान भेजने का सपना साकार कर पाएंगे। फिलहाल भारत ने दो यानों को अलग करने के बाद उन्हें पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित कर सभी को चौंका दिया है। इसरो का यह महत्त्वाकांक्षी मिशन था। आगामी सात जनवरी को इस मिशन के तहत जब इन यानों को जोड़ा जाएगा, तब भारत तीन बड़े देशों के बाद यह क्षमता हासिल करने वाला चौथा देश बन जाएगा। गौर करने की बात है कि एक समय हमारा अंतरिक्ष कार्यक्रम उपग्रहों को ऊपर ले जाने तक सीमित था। जैसे-जैसे भारत अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में महारत हासिल करता गया, उसके अंतरिक्ष अभियानों को नए क्षितिज मिलते गए।

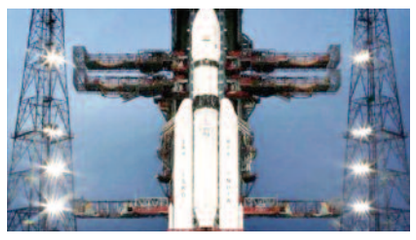

कोई दो मत नहीं कि स्पैडेक्स मिशन की कामयाबी ने देश के अंतरिक्ष कार्यक्रम को निर्णायक मोड़ पर पहुंचा दिया है। उम्मीद है कि 2035 तक भारत भी अंतरिक्ष में अपना केंद्र स्थापित कर लेगा। अंतरिक्ष यानों को अलग कर लेने और फिर जोड़ लेने के बाद अंतरिक्ष अन्वेषण में नई राहें खुलेंगी। इसरो के इस मिशन की सफलता इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि भारत शुक्रयान मिशन पर भी काम करना चाहता है, वहीं वह गगनयान मिशन की तैयारी में पहले से जुटा है। अंतरिक्ष यात्रियों को ले जाना और फिर वापस सुरक्षित लाना इसका मुख्य उद्देश्य है। अभी तक दुनिया के तीन देश ही ऐसा कर पाए हैं। वैसे भी 2040 तक चंद्रमा पर मानव भेजने की हमारी महत्त्वाकांक्षी योजना है। इस लिहाज से देखें, तो इसरो की नई सफलता ने हमारे लिए कई नए दरवाजे खोल दिए हैं। अंतरिक्ष में भारत की उपस्थिति अब और मजबूती से दर्ज होगी। श्रीहरिकोटा से 99वें प्रक्षेपण के बाद हमें अगले अभियान पर भी गर्व होना चाहिए, क्योंकि नववर्ष की शुरूआत में इसरो का सौवां प्रक्षेपण भारत को अंतरिक्ष में नई ऊंचाई पर ले जाएगा। यह उसके सपनों और संकल्प की नई उड़ान भी है, जिन्हें जल्द साकार होते पूरी दुनिया देखेगी।

अंतिम संस्कार पर भी राजनीति करने पर कठघरे में कांग्रेस

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की चिता की आग ठंडी भी नहीं पड़ी थी कि उनके अंतिम संस्कार को लेकर राजनीति शुरू कर दी गई। इस सियासी विवाद को चिंगारी मिली नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के इस बयान से कि देश के पहले सिख प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का निगमबोध घाट पर अंतिम संस्कार कराकर केंद्र सरकार ने उनका अपमान किया है। भाजपा ने जवाबी हमला करते हुए कांग्रेस पर इस मसले को लेकर राजनीति करने का आरोप लगाया। कांग्रेस और भाजपा में राजनीतिक युद्ध के बीच मनमोहन सिंह का परिवार चुप है। कांग्रेस की ओर से मनमोहन सिंह का कथित तौर पर गरिमापूर्ण अंतिम संस्कार न होने का आरोप लगाने की एक वजह है। कांग्रेस के दामन पर 1984 के सिख विरोधी दंगों का दाग है। भाजपा सिख विरोधी दंगों को लेकर कांग्रेस को निरंतर कठघरे में खड़ा करती रही है। हैरानी नहीं कि मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार में कथित गरिमा की कमी का मुद्दा बनाकर कांग्रेस अपने पर लगे सिख विरोधी दंगों के दाग को धोने की कोशिश कर रही हो। वह यह मामला उठाकर पंजाब में सिख समुदाय में नए सिरे से पैठ बनाने की भी कोशिश कर रही है, जिसमें फिलहाल आम आदमी पार्टी का असर है। यह भी ध्यान रहे कि दिल्ली में विधानसभा के चुनाव होने जा रहे हैं। दिल्ली की कुल आबादी में सिखों की हिस्सेदारी करीब चार प्रतिशत है। साफ है कि मनमोहन सिंह का गरिमामय अंतिम संस्कार न होने का आरोप लगाकर कांग्रेस पंजाब के साथ दिल्ली के सिख मतदाताओं में भी पैठ बनाने की कोशिश कर रही है। यह कोशिश स्वाभाविक है, लेकिन सवाल यह भी है कि नरसिंह राव और विश्वनाथ प्रताप सिंह का निधन नई दिल्ली में होने के बावजूद कांग्रेस ने इन नेताओं का अंतिम संस्कार राजधानी की किसी प्रतिष्ठित जगह कराने की जरूरत नहीं समझी? तब तो दिल्ली और केंद्र में कांग्रेस की ही सरकारें थीं। विनय सीतापति की लिखी नरसिंह राव की जीवनी ह्यहाफ लायनह्ल के पन्नों से गुजरेंगे तो पता चलेगा कि नरसिंह राव के निधन के अगले दिन फूलों से सजी सेना की गाड़ी उनके शव को लेकर कांग्रेस मुख्यालय पहुंची और करीब आधे घंटे तक मुख्यालय के गेट पर खड़ी रही, लेकिन गेट नहीं खुला। विनय सीतापति के मुताबिक, नरसिंह राव के स्वजनों ने उनका अंतिम संस्कार दिल्ली में ही करने की मंशा जताई थी, लेकिन तत्कालीन कांग्रेस सरकार और पार्टी नेतृत्व ने ऐसा करने से इन्कार कर दिया। उस वक्त मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे, जिन्हें 1991 में नरसिंह राव ही राजनीति में लेकर आए थे और वित्त मंत्री का महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा था। वह अपने पहले राजनीतिक भाग्यविधाता के सम्मान में कुछ कर नहीं पाए। नरसिंह राव आजीवन कांग्रेसी रहे। वह कांग्रेस के अध्यक्ष भी रहे और प्रधानमंत्री तो थे ही। नरसिंह राव के पहले विश्वनाथ प्रताप सिंह का नवंबर 2008 में दिल्ली के अपोलो अस्पताल में निधन हुआ था। चूंकि उनका परिवार जानता था कि विश्वनाथ प्रताप सिंह को लेकर कांग्रेस कैसा भाव रखती है, इसलिए उसे उनका अंतिम संस्कार दिल्ली में किए जाने की उम्मीद नहीं थी। उनका अंतिम संस्कार इलाहाबाद (प्रयागराज) में किया गया। शायद कांग्रेस तब भूल गई कि 1987 में कांग्रेस से बगावत करने से पहले तक विश्वनाथ प्रताप सिंह न सिर्फ कांग्रेसी थे, बल्कि एक दौर में इंदिरा गांधी के विश्वासपात्र भी थे। इसी वजह से 1980 में उन्हें उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाया गया था। पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर का भी दिल्ली में ही निधन हुआ था। कांग्रेसी सरकार ने उनका अंतिम संस्कार न सिर्फ दिल्ली में कराया, बल्कि उनकी समाधि भी दिल्ली में ही बनाई गई। दिलचस्प यह है कि जनता पार्टी के शासनकाल के दौरान जब मोरारजी देसाई सरकार इंदिरा गांधी से सरकारी आवास खाली कराने की तैयारी में थी, तब चंद्रशेखर ने ही उसे रोका था। प्रधानमंत्री रहे मोरारजी देसाई का निधन 1995 में मुंबई में हुआ, लेकिन उनका अंतिम संस्कार अहमदाबाद में हुआ। उनके स्वजनों ने न तो दिल्ली में उनके अंतिम संस्कार की मांग रखी और न ही तत्कालीन कांग्रेस सरकार और नेतृत्व ने इसकी जरूरत समझी। कांग्रेस राज में जिन पूर्व प्रधानमंत्रियों का अंतिम संस्कार दिल्ली में नहीं हुआ या नहीं कराया गया, वे सभी कांग्रेसी रहे, लेकिन बाद के दिनों में गांधी-नेहरू परिवार के विरोधी हो गए थे। इसीलिए राजनीतिक हलकों में माना जाता है कि गांधी-नेहरू परिवार के प्रति बगावत की वजह से आखिरी वक्त तक वे कांग्रेस के प्रथम परिवार के निशाने पर रहे। यही वजह है कि कांग्रेस की ओर से मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार पर सवाल उठाए जाने के बाद जवाबी रूप में नरसिंह राव और विश्वनाथ प्रताप सिंह के अंतिम संस्कार और उससे जुड़ी राजनीतिक घटनाएं भी याद कराई जा रही हैं। कांग्रेस को इसे समझना होगा और अप्रिय विवाद उठाने से बचना होगा। वह इसकी भी अनदेखी नहीं कर सकती कि पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की बेटी शर्मिष्ठा मुखर्जी ने कहा है कि उनके पिता के निधन के बाद कांग्रेस कार्यसमिति का औपचारिक शोक संदेश नहीं देना भी एक तरह से उनका अपमान था। ऐसे प्रसंगों से यही धारणा बनती है कि जिन नेताओं ने गांधी-नेहरू परिवार की परवाह नहीं की, उनके साथ उसने बेरुखी और बदसुलूकी की।

-अमृत कलश-

एक ही साधे सब सधैं

मन एव मनुष्याणां कारणं बन्धमोक्षयो....
मन ही मनुष्य के बंधन और मोक्ष का कारण है।

आचार्य चंद्रशेखर शास्त्री

शास्त्रों ने मन के चेतन और अवचेतन, दो भाग किए हैं..सूक्ष्म स्तर पर उसके चार भाग किए हैं। मन, चित्त, बुद्धि और अहंकार...यदि ये विकृति को प्राप्त हो जाएं, वात, पित्त और कफ का संतुलन बिगाड़ देते हैं और शरीर रोगों का घर हो जाता है। इसीलिए शास्त्रों ने, ऋषियों ने करुण रस को महत्व दिया है....जब आप करुणा से भरे होंगे तो ईर्ष्या, घृणा, असंतुष्टि, क्रोध और शंका को कोई स्थान न मिल सकेगा...

ज्योतिष में चंद्रमा को मन का कारक कहा गया है। जिस प्रकार चंद्रमा का प्रभाव नित्य घटता बढ़ता है, उसी कारण से मन में निरंतर चंचलता का वास होता है...जैसे जैसे चंद्रमा कृष्ण पक्ष की ओर बढ़ता हुआ अमावस्या को अस्त रहता है, उसी प्रकार मन की गतिविधि कुंद होती चली जाती है...मन खिन्नता से भरने लगता है और अमावस्या यदि केतुदृष्ट हो जाए अर्थात् बिना विचार किए किसी कर्म में लग जाए तो जातक आत्मघात कर लेता है। इसी प्रकार जब शुक्ल पक्ष की ओर चंद्रमा बढ़ता है तो मन उल्लास में होता है, पूर्णिमा आते आते मन पूरे आवेश में ऊर्जान्वित होता है, ऐसे में यदि किसी कारण बुद्धिहीनता हो जाए तो भी प्रबल आत्मघात योग जन्म ले लेता है...इसीलिए सूर्य के आश्रय के बिना दुष्टदृष्ट मन जातक को आत्मघात के लिए प्रेरित कर सकता है।

शास्त्रों ने मन के चेतन और अवचेतन, दो भाग किए हैं..सूक्ष्म स्तर पर उसके चार भाग किए हैं। मन, चित्त, बुद्धि और अहंकार...यदि ये विकृति को प्राप्त हो जाएं, वात, पित्त और कफ का संतुलन बिगाड़ देते हैं और शरीर रोगों का घर हो जाता है। इसीलिए शास्त्रों ने, ऋषियों ने करुण रस को महत्व दिया है....जब आप करुणा से भरे होंगे तो ईर्ष्या, घृणा, असंतुष्टि, क्रोध और शंका को कोई स्थान न मिल सकेगा...प्राणीमात्र में स्वयं का आत्म प्रकाश ही दिखाई देगा, किसी का अहित भाव में नहीं आ सकेगा...और सहजता, सरलता का साम्राज्य स्थापित हो जाएगा...लेकिन यह तभी संभव है, जब किसी सद्गुरु की कृपा आपके शिर पर हो...क्योंकि मनुष्य जन्म से ही कामक्रोधादि कुप्रभावों से ग्रस्त होता है और शरीर में साठ प्रतिशत जलभाग होने के कारण उसमें संवेदनशीलता का स्तर प्रत्येक अन्य तत्व से अधिक होता है...और जल का स्वभाव होता है पतनशीलता का...जहां जहां गहरा होगा, नीचा होगा, जल उसी ओर प्रवाहित होता चला जाएगा...कोई कितना ही दबाव बनाकर उसे ऊपर की ओर प्रवाहित करे, वह नीचे की ओर ही गिरेगा...यही कारण है कि छोटे बच्चे बुरी आदतों को जल्द सीख लेते हैं और अच्छी आदतों के लिए माता पिता और परिजनों के प्रयास आवश्यक होते हैं। प्रायः देखा गया है कि कुछ लोग बच्चों को गाली सिखाते हैं या बच्चों के सामने गाली प्रयोग करते हैं और बच्चे उसका निहितार्थ न समझकर गाली दोहराने लगते हैं। इसलिए मन को सही मार्गदर्शन अत्यंत आवश्यक होता है।

मनोदशा ही प्रत्येक शुभ और अशुभ कार्यों की उत्तरदायी होती है। यदि ज्योतिषशास्त्र, चिकित्सा शास्त्र, विज्ञान और सामाजिक अनुसंधान के सभी ग्रंथों और पद्धतियों का निचोड़ करें तो मन को निरंतर भोजन की आवश्यकता होती है और मन का भोजन है विचार....जैसा विचार स्थापित होगा, मनुष्य वैसा ही कर्म करने लगेगा...यदि विचार पूर्ण पुष्ट हुआ तो लंगड़ा आदमी हिमालय की छोटी पर अपना ध्वज लगा सकता है...इसलिए मन को मजबूती आवश्यक है।

ऋषियों ने गहन शोध किए और पाया कि केवल मन को साध लेने से सभी कार्य पूर्ण किए जा सकते हैं। इसलिए मन को प्रेरक साहित्य और समाज के हितार्थ विचार मनुष्य को समाज का अग्रणी बना सकते हैं....इसके लिए आवश्यक है अवचेतन के संग्रह में उन्नत विचारों का होना और उनका सक्रिय होना....जो उससे परिपूर्ण होता है....उसे संसार कभी पराजित नहीं कर सकता।

सनातन का अमृत पर्व बढ़ाएगा भारत का आध्यात्मिक गौरव

गंगा-यमुना और सरस्वती के संगम पर तीर्थराज प्रयाग में आयोजित होने वाला महाकुंभ धरती के किसी एक स्थल पर होने वाला मनुष्यों का सबसे बड़ा समागम है। भारत की एकात्मता, इसकी संगठन शक्ति, इसके सहभाव और सामंजस्य का अप्रतिम उदाहरण है महाकुंभ। इस महापर्व पर देश कठिन शीत में सुदूर स्थानों से संगम में कल्पवास करने, पर्व स्नान करने, अक्षय वट दर्शन और इस बहाने विराट रूप में प्रकट ह्यभारत-पुरुषह्ल का साक्षात्कार करने चला आता है। यह भारत-पुरुष अमृत-पुरुष है। इसका धर्म सनातन है। इसकी संस्कृति विश्ववारा है, वसुधा इसका कुटुंब है और विश्वमात्र का समुत्थान इसकी प्रतिज्ञा। महाकुंभ इसी अमृत-पुरुष भारत का विलक्षण प्राकट्य है। इस पर्व की पृष्ठभूमि देखने चलें तो, इतिहास-पुराण के अनेक प्राचीन पृष्ठ हमारे सम्मुख उभरते हैं। देवासुर-संग्राम, कद्रू-विनता का द्वंद्व और भगवान धन्वंतरि द्वारा प्रदत्त अमृत-कुंभ की प्राप्ति से संबद्ध अनेक रोचक कथाओं के अध्याय कुंभ की कथाओं में निहित हैं। वस्तुतः व्यष्टि के समष्टि में योजित हो जाने के असाधारण अनुभव की प्रयोगशाला है महाकुंभ।

परिगणित काल-बोध के पूर्व से प्रवाहित त्रिवेणी में हमारे इतिहास-बोध के प्रेत मुक्त हो जाते हैं। अनगिनत पीढ़ियों के अविच्छिन्न प्रवाह की साक्षी गंगा, अपनी अबूझ कर्म-परंपरा की यमुना और गोत्रकार ऋषि से लेकर होनहार वंशजों तक अदृष्ट, किंतु अक्षुण्ण सरस्वती के सम्मुख अपने होने-न होने का तुच्छतर प्रमेय निरस्त हो जाता है। पितरों के तर्पण और पुत्र-पौत्रों के मंगल की प्रार्थना करती पीढ़ी पूर्वजों से वंशजों तक अपनी सनातन उपस्थिति को देख पाती है। पुत्रों के रूप में विद्यमान

पिता, शिष्यों के रूप में विद्यमान गुरु और सहस्राब्दियों में इन सबको समेटे हुए महाकुंभ सनातनता का अमर उद्गीथ बनकर प्रकट होता है।

प्रत्येक 12 वर्षों के अंतराल में होने वाला महापर्व उस तीर्थराज प्रयागराज में हो रहा है, जो गंगा-यमुना-सरस्वती का संगम है। यह हमारे धार्मिक-पौराणिक भूगोल की पवित्रतम भूमि होने के साथ ही हमारे आध्यात्मिक सांस्कृतिक-देशकाल-बोध का भी चिरंतन प्रमाण है। अपनी प्राचीनतम ऋषि परंपरा से अनुप्राणित भारत कुंभ में अपनी अविच्छिन्न परंपरा का दर्शन करता है। सभी परंपराओं के प्रमुख आचार्य, जगद्गुरु, महामंडलेश्वर और संत-महंत यहां एकत्र होते हैं। अपने पौराणिक माहात्म्य, आध्यात्मिक अनुभव, ऐतिहासिक गौरव, सांस्कृतिक दिव्यता और भौगोलिक भव्यता के साथ ही वर्ष 2025 के महाकुंभ को एक अन्य विशेष योग प्राप्त हो रहा है।

यह योग है भारत वर्ष की स्वाधीनता का अमृतकाल। अमृत लाभ के संकल्प से समन्वित यह महाकुंभ पर्व हमारी राष्ट्रीय चेतना को भारत-पुरुष की समग्रता में पहचानने का मणि-कांचन योग है। कुछ समय पहले देश ने अपने स्वातंत्र्य के 75 वर्ष पूर्ण करते हुए व्यापक अमृत महोत्सव मनाया है। यह हमारे महान राष्ट्र की अखंडता, संप्रभुता, शौर्य एवं समृद्धि को रेखांकित करने अवसर है। यह प्रथम महाकुंभ है जब श्रीरामलला अपनी जन्मभूमि पर नव निर्मित भव्य मंदिर में विराजमान हैं।

यहां उन कुंभ पर्वों का स्मरण प्रासंगिक हो जाता है, जिनमें धर्म-संसद और विशाल समागमों के माध्यम से संतों, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ तथा विश्व हिंदू परिषद समेत अनेक संकल्पशील संगठनों ने श्रीरामजन्मभूमि के निर्माण हेतु विमर्श किए, अपनी प्रतिज्ञाएं दोहराईं, संगठित हुए और आगे बढ़े। महाकुंभ हमारी सांस्कृतिक अस्मिता का जीवंत स्मारक है। महाकुंभ ऐसे अवसर पर आयोजित होने जा रहा है, जब अनुच्छेद 370 की कुंठा हट चुकी है और भारत का मस्तक कहलाने वाला शिव-शारदा का केंद्र कश्मीर भारत की अखंडता एवं संप्रभुता का सहचर बन चुका है।

त्रिवेणी के जिस तट पर महाकुंभ आयोजित हो रहा है, उसी के तट पर त्रेता में धर्मविग्रह श्रीराम ने लोकमंगल हेतु अपनी वनयात्रा का स्वस्तिवाचन किया। इसके तट पर प्रेममूर्ति श्रीभरत ने पुरुषार्थ चतुष्टय का त्याग करते हुए भक्ति की याचना की। प्रयाग हमारी सांस्कृतिक अस्मिता का सनातन पीठ है। आज यदि हम पुनः इसको साधिकार प्रयागराज कह पा रहे हैं तो इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ धन्यवाद के पात्र हैं। उनकी अप्रतिहत ऊर्जा ने हमारे धार्मिक-सांस्कृतिक गौरव के प्रति हमारी आश्वस्ति को दृढ़तर किया है।

इस महाकुंभ की ओर देखते हुए देश की दिव्यता के कुछ और आयाम भी हमारी दृष्टि में आते हैं। भारत के केंद्रीय नेतृत्व की स्पष्ट प्राथमिकताएं और उनसे खुलते वैश्विक आयाम, सेवा-सुरक्षा-शिक्षा-चिकित्सा तथा समरसता से युक्त भारत को उद्भासित कर रहे हैं। अयोध्या, मथुरा, काशी, हरिद्वार, केदारनाथ, विंध्याचल समेत भारत के दिव्य तीर्थ अपने आध्यात्मिक गौरव में पुनः प्रतिष्ठित हो रहे हैं।

महाकुंभ हमारी समेकित दृष्टि, समन्वित पुरुषार्थ और सौजन्य पूर्ण सहकार का प्रमाण बनेगा। अपने सुखों के अनुसंधान में जीवन-समुद्र को मथने वाली मनुष्यता एक न एक दिन दुःसह विष के सम्मुख होती है। तब उसे कोई विषपायी नीलकंठ चाहिए, कोई मृत्युंजय चाहिए। उसे अमृत कलश के प्रकट होने तक का धैर्य चाहिए-जीवन चाहिए। भारत इस जगज्जलधि के मथे जाने पर भगवान धन्वंतरि के समान अमृत कलश लेकर उभरेगा, यही इतिहास है-यही विश्वास है और महाकुंभ का आयोजन इसी का प्रयास है।

अक्षरबोधि न होने पर भी पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी ने किया, भगवान राम के दिव्य जीवन का साक्षात वर्णन

भगवान राम की दिव्यता में माता कौशल्या का तप

27 सितम्बर, सन 1942 को गाजियाबाद जिले के ग्राम खुर्रमपुर- सलेमाबाद में, एक विशेष बालक का जन्म हुआ जो बचपन से ही जब भी यह बालक सीधा, श्वासन की मुद्रा में लेट जाता या लिटा दिया जाता, तो उसकी गर्दन दायें-बायें हिलने लगती, कुछ मन्त्रोच्चारण होता और उपरान्त विभिन्न ऋषि-मुनियों के चिन्तन और घटनाओं पर आधारित 45 मिनट तक, एक दिव्य प्रवचन होता। पर इस जन्म में अक्षर बोध भी न करने वाला ग्रामीण बालक, उसके मुख से ऐसे दिव्य प्रवचन सुनकर जन-मानस आश्चर्य करने लगा, बालक की ऐसी दिव्य अवस्था और प्रवचनों की गूढ़ता के विषय में कोई भी कुछ कहने की स्थिति में नहीं था।

इस स्थिति का स्पष्टीकरण भी दिव्यात्मा के प्रवचनों से ही हुआ। कि यह आत्मा सृष्टि के आदिकाल से ही विभिन्न कालों में, शृङ्गी ऋषि की उपाधि से विभूषित और इसी आत्मा के द्वारा राजा दशरथ के यहाँ पुत्रेष्टि याग कराया गया,और अब जब वे समाधि अवस्था में पहुँच जाते है तो पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर प्रवचन करते ,यहाँ प्रस्तुत हैं क्रमिक रूप से माता कौशल्या का दिव्य और तपस्वी जीवन)

.....कौशल्या ने कहा-यह संसार क्या है,प्रभु ! यह मुझे प्रभु का संकल्प दृष्टिपात आता है। जब संकल्प समाप्त होता है तो अंधकार आ जाता है, उसको ब्रह्म-रात्रि कहते है और जब दिवस आता है सृष्टि रचना को दिवस कहते है वह ब्रह्म-दिवस कहलाता है,तो हे प्रभु ! ये जो दिवस और रात्रि है मेरे उस प्यारे प्रभु का संकल्प है, जिस संकल्प से सर्व-जगत ओत-प्रोत है जैसे पति पत्नी दोनों का संस्कार होता है,वह संस्कार क्या है? वह केवल एक संकल्प मात्र है वह उन्हें एक दूसरे में ओत-प्रोत कर देता है और वे पितर बनते है। ओत-प्रोत जब तक नही होते तब तक पितर भी नही बनते।

माता कौशल्या ने कहा-हे ऋषिवर !मै अपने संकल्प को समाप्त नही करूंगी। हां एक कारण से कर सकती हूं। यदि प्रभु आप दोनो माता अरुन्धती और आप विद्यमान है अपने संकल्प को पति-पत्नी-पन को समाप्त कर दो, तो प्रभु ! मै समाप्त कर सकती हूँ। वशिष्ठ मौन हो गये, और अरून्धती भी मौन हो गयी, क्योंकि दोनों ब्रह्मवेत्ता थे। उन्होंने कहा-जैसी कौशल्या की इच्छा,इनके संकल्प को नष्ट न करो वे संकल्पवादी है। (प्रवचन सन्दर्भ 08-07-1978)

वशिष्ठ और अरून्धती ने अपने आश्रम को गमन किया और उन्होंने राजा से कहा-हे राजन ! यह तो संकल्प है। आचार्य के द्वारा उन्होंने संकल्प किया हुआ है और संकल्प उनका नष्ट नही होना चाहिये,यदि संकल्प चला गया,प्राण चला गया,तो मानवता चली जाती है। हे राजन ! तुम देवी को इसी प्रकार रहने दो, तुम अपने क्रियाक्लापों में परिणित हो जाओ। उस समय राजा भी मौन हो गया

सन्तान को जन्म देने वाली माता अपने में तप कर रही है,वह तपस्या में रत्त हो रही है,और राष्ट्र का

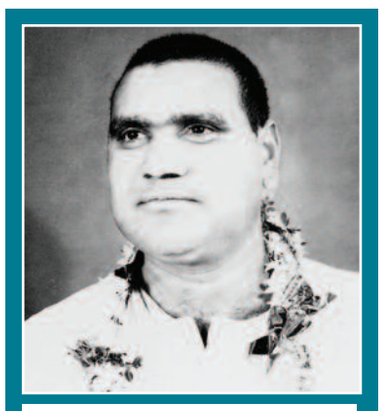

ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी

अन्न ग्रहण नही कर रही है राजा कहताहै -हे देवी ! राष्ट्र का अन्न ग्रहण कर। कौशल्या कहती है-कदापि नही। राष्ट्रीय अन्न रजोगुण,तमोगुण से सन्ना हुआ अन्न होता है, मैं उस अन्न को ग्रहण नही करूंगी।

माता के गर्भ से राष्ट्रीय पुत्र का जन्म होना होगा,तो माता कौशल्या जैसा अवश्य बनना होगा। माता कौशल्या राम को जन्म देने वाली थी, जो त्याग में स्वयं कला-कौशल करके तप कर रही है,दार्शनिकता में रमण कर रही है,अपने को गायत्राणी छन्दों में ले जा रही है। गर्भ में रहने वाला शिशु पनप रहा है, तप युक्त अन्नाद और ज्ञान को प्राप्त कर रहा है।

प्रवचन सन्दर्भ 21-10-1982)

माता कौशल्या के गर्भ समय की जीवन शैली

जब माता कौशाल्या तप करती थी,तो वह तप करती हुई पृथ्वी से कहती थी कि-हे पृथ्वी ! तू ब्रह्मा के तुल्य है। तेरे गर्भस्थल में नाना प्रकार का परमाणुवाद गति कर रहा है और वही परमाणुवाद हमारे प्राण के द्वारा हमारे में प्रवेश करके,हमें जीवन दे रहा है, हमें वह महानता प्रदान कर रहा है।(प्रवचन सन्दर्भ १२-०३-1986)

माता कौशल्या के गर्थस्थल मे राम जैसी पुनीत आत्मा जब प्रवेश हो गया, तो माता कौशल्या याग करती थी, वर्चोंसि अग्नि की पूजा करतीं,आत्मा को चेतनित करने के लिए तपस्या करने लगी, क्योंकि माता की यह कामना थी कि मेरे गर्भस्थल से तो याज्ञिक पुत्र होना चाहिए। माता कौशल्या तपस्या में परिणित हो गयीं,अपने जीवन को उन्होंने क्रियात्मक बनाना प्रारम्भ किया।

वह प्रातःकालीन समिधाओ को ले करके जब अग्न्याधान प्रारम्भ करती थी, तो कहती थी कि-हे अग्ने ! तू प्रकाश हैं, तू मेरे अन्तःकरण का प्रकाश हैं। हे अग्ने ! तेरी ही ज्योति उर्ध्व में रमण करती है, हे अग्ने !तू सप्तजिव्हा वाली है। प्रत्येक जिव्हा से तू संसार का कल्याण करती है। माता कौशल्या उस अग्नि की आराधना करती थीं, मध्य समय आता तो माता कौशल्या कला कौशल करती थी (प्रवचन सन्दर्भ03-10-1981)

RNI No. 62592/95 स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक चंद्रशेखर शास्त्री ने भारती प्रिंटर्स, निकट पुरानी स्टील चुंगी, लोअर बाजार, मोदीनगर-201204, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित किया।
सम्पादक: चन्द्रशेखर शास्त्री, मोबाइल: 7351200046/9411246969, email: u.p.observer@gmail.com

साहित्य के साधक : पंडित सुरेश नीरव

कभी-कभी साहित्य जगत में कोई ऐसा चेहरा सामने आता है जिसका साहित्यिक योगदान सागर जैसा विशाल प्रतीत होने लगे।जिसका विराट व्यक्तित्व किसी ग्रन्थ की शक्ल में दिखाई देने लगे। जिसकी प्रज्ञा का पृष्ठ झ्रपृष्ठ चकित करता हो... जिसकी गौरव गाथा साहित्य के शिखर चढ़कर सभी का ध्यान आकर्षित करने लगे...ऐसे ही अनन्त गुणों के स्वामी हैं, अंतरराष्ट्रीय कवि/ चिंतक/ साहित्यकार-प्रज्ञान पुरुष पंडित सुरेश नीरव।

साहित्य साधना में आकंठ लीन पंडित सुरेश नीरव आज भारत ही नहीं अपितु समूचे विश्व में प्रज्ञान पुरुष के रूप में जाने जाते हैं। इनका अपरिमेय साहित्य शोधन-पथे श्लाघनीय है। विशाल व्यक्तित्व की शाखझ्रशाखे से पल्लविते कृतित्व की हरीतिमा शोभनीये है, दर्शनीय है। ग्वालियरे से दिल्ली तके की नीरव यात्रा के असंख्ये वृतांते हैं, एके अनूठो इतिहास है। कोलाहल से गुजरती नीरव-प्रज्ञा के स्वर, पड़ाव-दर-पड़ाव अपना प्रभाव छोड़ते गए। वाणी में ऐसा तेजे कि जो भी सुनता है उन्हीं को हो जाता है। ऐसो प्रतीत होता है जैसे कोई स्वाभिमाने के रथ में सच्चाई के पहिए लगाकर विद्रूपित समाज को बदलने निकला हो। जिसके दृगों में लाली है, आक्रोश है, चिंता साफ- साफ दिखती है। मानव जीवन के बहुमूल्य पलों को व्यर्थ ही व्यतीत न करके सार्थक सृजन में जो ध्यान मगन हो चलते रहते हैं। भ्रष्ट व्यवस्था के बाज से लड़ने को सदैव आतुर। अपने मूल्यों एवम्‌ सिद्धांतों का संवाहक ही नहीं अपितु उनका रक्षक बनकर।

नीरव जी देश- विदेश के बड़ेझ्रबड़े कवि सम्मेलनों में दरबारी रागे को धिक्कारते हुऐ उचित /अनुचिते को गीत, गजल , कविताओं के द्वारो निर्भय होकर दृढ़ता से मंचों पर प्रस्तुत करते रहे हैं। किसी भी विषय परे लगातार धाराप्रवाह बोलने में सक्षम नीरव जी का ज्ञानकोष अत्यंत विशाल है। इसीलिए ही इन्हें प्रबुद्धजन प्रज्ञान पुरुष कहते हैं। विलक्षण प्रतिभा के प्रतीक नीरव जी स्वाभाविक रूप से खरी- खरी कहने वाले साहसी कलमकार हैं। जिनके लेखन में शब्द-शब्द से व्यंग्य के स्वर गुंजायमान होते हैं। जहां तक हो सके क्लिष्टता से दूरी बनाकर ही ये चलते हैं, तथा जिनके व्यंग्य में सहजता एवम्‌ सरलता का प्रवाह सदैव गतिशील रहता है, जिससे कि पाठक को समझने में आसानी हो। लेकिन बिंब और प्रतीकों का बड़ा ही अनूठा प्रयोग कर श्रृंगारित करने में कोताही नहीं बरततै। नीरव जी की खास विशेषता यह है कि उन्हें जब किसी का व्यवहार, कोई बात या आचरण में कोई त्रुटि नजर आती है तो बिना किसी लागलपेट के तीखे स्वर में अपने सपाट लहजे में रोष प्रकट कर देते हैं। लेकिन जब उन्हें लगता हो कि गलती, त्रुटि अनायास है या अनजाने में है या अबोध प्रवृति के कारण है तब उसे भावनात्मक रूप से एहसास करवाते हुए मार्गदर्शित भी करते हैं। निर्लज्जता, कुटिलता, आत्म प्रशंसा को सिरे से नकारते हुए आप चलते हैं। उनके व्यक्तित्व में, व्यवहार में स्वामित्व का एहसास होता है, एक रौबदारी नजर आती है लेकिन सच तो यह है कि उनके अंतर्मन में स्नेह, संवेदनशीलता, करुणा, प्रेम का व्यापक कोष संरक्षित है।

राजेश प्रभाकर
(प्रतिष्ठित साहित्यकार)

मध्यप्रदेश के ग्वालियर में 20 जून,1950 को जन्में सुरेश नीरव विज्ञान के विद्यार्थी होने के बावजूद छात्र जीवन से ही कविता से जुड़े रहे हैं। साहित्य का यही अनुराग इन्हें ग्वालियर से दिल्ली ले आय़ा। तीन दशकों तक हिंदुस्तान टाइम्स की मासिक पत्रिका 'कादम्बिनी' के संपादन-मंडल से संबद्ध रहे पंडित सुरेश नीरव जागरूक पत्रकार होने के साथ- साथ आज एक अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठित कवि हैं। छब्बीस से अधिक देशों में हिंदी का प्रतिनिधित्व कर चुके इस कवि के सृजनात्मक खाते में सात टी.वी. सीरियल और सोलह पुस्तकें दर्ज.हैं।

भारत के दो राष्ट्रपतियों से सम्मानित श्री नीरव को प्रधानमंत्री द्वारा मीडिया इंटरनेशनल एवार्ड से भी नवाजा गया है। दक्षिण अफ्रीका में आयोजित नवम विश्व-हिंदी सम्मेलन में भारत सरकार के प्रतिनिधिमंडल में भी आपको बतौर कवि शामिल किया गया। आजकल आप देश की अग्रणी साहित्यिक संस्था अखिल भारतीय सर्वभाषा संस्कृति समन्वय समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। आपके कुशल नेतृत्व में इस संस्था ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नूतन आयाम स्थापित किए हैं। एक इतिहास रचा है। पिछले 10-15 वर्षों से यह संस्था राष्ट्रीय स्तर पर देश के भिन्न- भिन्न शहरों में साहित्यिक अधिवेशन करती आ रही है जिनमें प्रमुख हैं कश्मीर, अंडमान निकोबार, विशाखापट्टनम, शिरडी, गांधीनगर, बेंगलुरु, मैसूर, ग्वालियर, खरगोन, मुरैना, गुवाहाटी, मुंबई, गजरौला, चंडीगढ़, त्रिवेंद्रम,नेपाल एवम्‌ नागालैंड इत्यादि। इस प्रकार अब तक यह संस्था 21 साहित्यिक राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय अधिवेशन करवा चुकी है।यह पंडित सुरेश नीरव जी की सतत साधना का ही परिणाम है कि इतनी संख्या में राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इतने बड़े साहित्यिक आयोजन सफलता पूर्वक फलीभूत हुए।

जब कोरोना काल में जीवन की गति अचानक रुक-सी गई और आदमी अपने ही घर में कैद होकर रह गया तब भी नीरव जी ने हार न मानते हुए साहित्यिक गतिविधियों को गतिमय रखा। आभासी पटल पर लोगों को जोड़ा और शुरू किया प्रतिदिन का काव्य पाठ। निराशा में आशा का दीप प्रज्वलित किया।

एक बार यह कार्यक्रम शुरू हुआ तो फिर इसने रुकने का नाम नहीं लिया। आज तक कोई भी दिन ऐसा नहीं बीता कि काव्य पाठ न हुआ हो। धीरे- धीरे आभासी पटल पर इसका बन गया ऐसा विश्व रिकॉर्ड कि सुनने वालों को यकीन ही नहीं होता। निर्बाध गति से लगातार 14 प्लैटिनम जुबली मनाने वाली अखिल भारतीय सर्वभाषा संस्कृति समन्वय समिति के सदस्यों की संख्या आज 14000 की संख्या को भी पार कर गई है। यह अपने आप में अनूठा विश्व रिकॉर्ड है। इस मैराथन साहित्यिक यात्रा में मुसीबतों की गर्जना से कंपन करती दामिनी ने अनेकों बार अवरोध उत्पन्न किए, भयभीत किया परंतु नीरव यात्रा एक क्षण के लिए भी न रुकी। इस साहित्यिक सफर में एक पल ऐसा भी आया जिसके बारे में बात करके, सुनकर आज भी लहू सफेद हो जाता है। आदमी सोचने पर मजबूर हो जाता है , यकीन नहीं होता कि कोई ऐसा भी इस दुनिया में है। कल्पना कीजिए जब किसी को अचानक समाचार मिले कि अकस्मात दुर्घटना में उन्होंने अपना युवा पुत्र खो दिया है। क्या नियति के इस क्रूर कठोर असहनीय प्रहार को सह पाना सहज है। उस समय की मनःस्थिति का वर्णन शब्दों में किया ही नहीं जा सकता। शब्द अदृश्य हो जायेंगे, कलम सिसकने लगेगी।

लेकिन धन्य है ग्वालियर की वह धरा जहां तानसेन और बैजू बावरा जैसे महान संगीतकारों का जन्म हुआ। अंतरराष्ट्रीय सरोद वादक अमजद अलीखान, हिंदी साहित्य की महान विभूतियां महाकवि बिहारी, गजानंद माधव मुक्तिबोध, मुकुट बिहारी सरोज, वीरेंद्र मिश्र, शिवमंगल सिंह सुमन, आनंद मिश्र, साहित्य शिरोमणि दामोदर दास चतुर्वेदी जी, प्रख्यात कवि/साहित्यकार भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेई जी की कीर्ति से गौरवान्वित ग्वालियर की धरती पर जन्में प्रख्यात कवि/साहित्यकार पंडित सुरेश नीरव जी ने वो कर दिखाया जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। अद्भुत अकल्पनीय। जिस पिता के पुत्र को नियति ने अकस्मात छीन लिया हो, देखते ही देखते जिसकी आंखों का तारा उम्मीदों के आकाश से लुप्त हो गया हो, भविष्य का वह दीप जो आने वाले कल को रोशनी देता, उसका पथ सुलभ करता... उफ्फ !इस बिछोह का वह दृश्य!! लेकिन जब ऐसी परिस्थितियों में कोई पाषाण हुआ भी अपने कर्मपथ को बाधित नहीं होने देता है तब वह इतिहास के पन्नों में अपनी कालजयी कहानी लिख देता है। नीरव जी का कर्तव्य पथ वंदनीय है, प्रेरणादाई है।

वर्तमान में यदि साहित्य का कोई सच्चा साधक है तो प्रथम दृष्टि प्रज्ञान पुरुष पंडित सुरेश नीरव जी पर ही पड़ती है। उनकी साहित्य साधना की कुछ झलकियां झ्र प्रकाशित कृतियांः समय सापोक्ष हूं मैं (कविता संग्रह), भोर के लिए(कविता संग्रह), शब्द नहीं हैं हम (कविता संग्रह),सदभाव कविता), आठवें दशक की व्यंग्य कविता(कविता संग्रह), उत्तरार्ध कविता (कविता संग्रह), इक्कीसवीं सदी की दृष्टि(समीक्षा), पोयटिक इलेक्ट्रॉस (अंग्रेजी कविता संग्रह), पोयट्री ऑफ सुरेश नीरव (अंग्रेजी कविता संग्रह), पश्यंती (कविता संग्रह), तथागत (गीत संग्रह), मजा मिलेनियम (हास्य गजलों का संग्रह संग्रह), जहान है मुझमें (गजल संग्रह), दरीचे (गजल संग्रह), सर्वतोष प्रश्नोत्तर शतक (दर्शन), उत्तरप्रश्नोपनिषद(दर्शन), प्रज्ञान पुरुष पंडित सुरेश नीरव (स्वस्ति सत्कार ग्रंथ)। सम्मान एवं पुरस्कारः मीडिया इंटरनेशनल एवार्ड (भारत के प्रधानमंत्री द्वारा), साहित्यश्री पुरस्कार(भारत के राष्ट्रपति द्वारा), विश्वधर्म संसद पुरस्कार (नेपाल के प्रधानमंत्री द्वारा), भारतीय संस्कृति एवार्ड (इजिप्ट के राजदूत द्वारा), धन्वंतरी पुरस्कार (मॉरीशस के प्रधानमंत्री द्वारा), भवन भारती पुरस्कार (भारतीय विद्याभवन द्वारा), अट्टहास पुरस्कार (उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा), मानस मंथन पुरस्कार(कानपुर), युगीन शिखर सम्मान (दिल्ली), प्रेक्षा शिखर सम्मान(दिल्ली)। सुलभ साहित्य अकादमी का पांच लाख रुपये का सुलभ-श्रेष्ठ साहित्यकार सम्मान।

सीरियल और डॉक्यूमेंट्री रंगरंगीले छैलछबीले, कमाल है, पड़ोसी की कार, मेंहदी का दर्द, दिशाबोध, वाह क्या बात है, सरफरोशी की तमन्ना। बीबीसी, दूरदर्शन,आकाशवाणी, सब टीवी, सोनी टीवी, जी टीवी, साधना चैनल, सुदर्शन न्यूज, महुआ चैनल, सहारा टीवी आदि पर अनेक बार कविता पाठ। विदेश यात्राएं- लंदन, फ्रांस, सिंगापुर, मलेशिया, इंडोनेशिया, नेपाल, दुबई, बहरीन, इटली, मिश्र, मॉरीशस, डेनमार्क, दक्षिण अफ्रीका समेत 26 देशों की यात्राएं।

साहित्य के पथिक के रूप में अद्भुत, अकल्पनीय एवम्‌ अनथक सफर का मूल्यांकन करते हुए हाल ही में इन्हें जर्मनी का प्रतिष्ठित मैक्समूलर साहित्य सम्मान दिया गया है। ये सम्मान प्राप्त करने वाले पंडित नीरव भारत के प्रथम कवि/साहित्यकार हैं। असंख्य नवांकुरों के प्रेरणा स्त्रोत,अदृश्य कलमकारों के जीवन से उपेक्षाओं के व्योम को हटाकर राह को सुलभ करनेवाले हिंदी साहित्य के इस अप्रतिम युग पुरुष पंडित सुरेश नीरव जी को मेरा नमन है।

हिन्दी अकादमी का हिन्दी सेवी सम्मान मिलने पर विशेष लेख

कहानी- ओह प्रीतो !

जब से यह कोरोना बीमारी आयी है, होम अरेस्ट की सिचुएशन बन गयी है ।रही सही कसर वर्क फ्रॉम होम नेकर दी है ।पर कर भी क्या सकते हैं, सिवाय एक अच्छे नागरिक की तरह नियमों और कानूनों के दायरे में रहकर काम करने के।

कंप्यूटर से निगाह उठाते ही देखा , शाम के चार बजे रहे हैं । कॉफी पीने का मन किया ।हमने काके को आवाज लगाई , पर कोई उत्तर नहीं मिला।

काके , दूसरी आवाज कुछ जोर से लगाई ।

जी, अभी आया कहता हुआ काका हाज़िर हुआ ।

यार तेरा कुछ खाने को मन नहीं कर रहा ?

काके डर गया , नहीं ।मैंने कोई गलती नहीं की ।मुझे कुछ खाने का मन नहीं कर रहा ।

अरे सुन तो।

मैंने कुछ नहीं सुनना ।मेरी कोई गलती नहीं थी। दीदी का धक्का लग गया था और सारा दूध फैल गया।

मतलब घर मे दूध नहीं है।

दूध पीना है ।काके ने पूछा

अबे जब है ही नहीं तो , ऐसी बात क्यों कर रहा है ?

मैंने कॉफी पीनी के मन कर रिया सी।

पीना तो मैं भी चाहदा , पर आप जानते हो

मैं कुछ और बोलता , उससे पहले ही प्रीतो कॉफी और बिस्कुट एक ट्रे में ले आयी।

अरे किससे मूंड मार रहे हो।

कभी कभी बच्चों से मूंड मारने का मन करता है ।समय ही नहीं मिलता।

और बातें करें भी तो क्या करें?

तभी बेटी रानी भी अपने कमरे से उठकर बाहर आ गयी ।डैडी सही कह रहे हो ।घर में कैद से हो गये हैं। बहुत

बोरियत महसूस होने लगी है।

हाँ, मैंने भी रानी की हाँ में हाँ मिलायी और कहा बेटा सही कह रही हो ।

आज सब मिलकर कुछ अलग सा करते हैं ?

ब्रह्मदेव शर्मा

सोचो क्या कर सकते हैं?।

मेरा तो कुछ भी करने का मन नहीं कर रहा , दिन भर ऑनलाइन क्लास पढ़ाना और घर के ढेरों काम

कहते कहते प्रीतो रुक गयी

सच में प्रीतो पर काम का बोझ कुछ ज्यादा ही है । हिंदुस्तान में कामकाजी महिलाओं पर सच में दोहरा बोझ है ।

घर और बाहर के काम उन्हें देखने ही पड़ते हैं ।काम वाली बाइयों के काम उन्हें पसंद नहीं आते और घर के मर्द

घर के काम को हाथ नहीं लगाते।

काके बोला बाहर खाने चलते हैं।

रानी तपाक से बोली , बाहर खा नहीं सकते, घर लाकर खा सकते हैं।

काके और रानी सरकारी नियमों पर बहस करने लगे।

हमने उन्हें टोकते हुए कहा । आज कुछ अलग करते हैं ।आप सब अपनी सबसे अच्छी ड्रेस पहनेंगे और कैंडिल

लाइट डिनर करेंगे ।8 बजे से पहले कोई भी अपने अपने कमरे से बाहर नहीं आयेगा।

प्रीतो ने इशारे से पूछा , यह क्या है ?

हमने कहा आज डिनर हम बनायेंगे ।

आप !

हमने कहा जी, हम ।

ठीक है, कहीं ऐसा न हो कि भूखे सोना पड़े।

आप निश्चिंत रहिये । अब हम इन्हें क्या बताते कि कॉलेज लाइफ में आर्थिक तंगी से गुजरते हुए हमने ट्यूशन

पढ़ाये और हलवाई खाने में भी काम किया।

शाम के 8 बजते ही तीनों एक साथ अपने अपने कमरे से बाहर आये।

काका स्मार्ट लग रहा है ।रानी मां की तरह छरहरी और सुंदर है । प्रीतो ने तो गजब ढा दिया लहँगा पहने अप्सरा

लग रही है ।कुछ भी कहो , बच्चों में ड्रेस सेंस तो विकसित प्रीतो ने ही किया।

।

अरे आप तो वही नेकर और टीशर्ट में हैं।

कोई बात नहीं।

शर्मा जी आप भी कमाल करते हो ।आप भी कपड़े पहनो ।

पहने हुए हूँ, नंगा थोड़े हूँ।

आप हमारे साथ नहीं खायेंगे।

आज बच्चों के साथ आपकी दावत है । आप बस आज हमें खिदमत का मौका दो।

क्यों पाप चढ़ा रहे हैं । आपसे पहले मैं

प्रीतो कुछ और बोलती हमने अपने होठों पर उँगली रख उन्हें शांत रहने का आग्रह किया।

प्रीतो की आवाज भर्रा गयी, लगा रो ही देगी।

तभी काके और रानी ने बात संभाल ली ।डैडी ठीक कह रहे हैं।

प्रीतो बोली क्या खाक ठीक कह रहे हैं ।तुम्हारे डैडी बाद में और अकेले खाना खायेंगे ।

नहीं मम्मी।

आज आप और दीदी पहले खायेंगे । मैं डैडी जी केण साथ खाऊँगा, क्यों डैडी ?

यह सुनकर मुझे काके पर बड़ा प्यार आया ।छोटा है पर कितना समझदार ।

नहीं आज आप तीनों पहले मैं ।

हमने शाही पनीर, छोले , पुलाव , सलाद , बूंदी का रायता डाइनिंग टेबल पर सजा दिया ।

अरे वाह , मुंह में पानी आ गया तीनों एक साथ बोले ।

हमने खाना परसा।

तीनों ने पहला ग्रास छोले से खाया ।कोई रिएक्शन नहीं ।दूसरा शाही पनीर से , एक दूसरे को देखा । तभी प्रीतो

बोल उठी-

क्या शर्मा जी इतना स्वादिष्ट भोजन , दावत की तरह खायेंगे । और प्लेट में छोले , पनीर , पुलाव एक साथ रख

लिये ।बच्चों ने भी वही किया जो प्रीतो ने ।

कैसा बना।

तीनों ने एक साथ कहा , अतिउत्तम । बहुत स्वादिष्ट । हलवाइयों को मात कर दिया।

तीनों ने भरपेट खाना खाया ।मैं भी कुछ संतुष्ट से लगा ।चलो खाना बनाना भूला नहीं हूँ।

प्रीतो की जिद पर मैंने भी सूट पहन लिया। प्रीतो ने चुटकी ली , दूल्हा लग रहे हो ?

बच्चों ने ताली बजा दी।

क्यों शादी पर भी डैडी के बाल उड़ गये थे।

नहीं तेरी मां ने शादी के बाद नोंचे नोंच कर गंजा कर दिया हूँ, सुनते ही प्रीतो और रानी हँस दिये पर काका झेंप

गया।

1

प्रीतो ने खाना बड़े सलीके से परोस कर दिया पर आज मैंने प्रीतो वाली थाली में ही जिद करके खाना लिया।

पहला ग्रास छोलों से , मुँह कड़वा हो गया ।नमक ज्यादा था ।

दूसरा पनीर से , बिल्कुल फीका ।नमक विहीन ।

अब पता लगा एक ही प्लेट में सब रखने का राज

मैंने प्रीतो और बच्चों की तरफ बड़ी निरीहता से देखा ।आपने कोई शिकायत नहीं की , बताया नहीं।

अरे आपने इतने प्यार से खाना बनाया कि

और हमारे मुँह से निकल पड़ा - ओह प्रीतो !वाह प्यारे ।

****

पंडित सुरेश नीरव को मिला हिंदी अकादमी का हिंदी सेवी सम्मान

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

नई दल्ली। हिंदी के अंतर्राष्ट्रीय ख्यात कवि एवं पत्रकार पंडित सुरेश नीरव को उनकी सतत हिंदी सेवा को रेखांकित करते हुए हिंदी अकादमी, दिल्ली सरकार ने एक लाख रुपये वाले अपने प्रतिष्ठित 'हिंदी अकादमी हिंदी सेवी सम्मान' देने की घोषणा की है।

उल्लेखनीय है कि देश की अगृणी साहित्यिक संस्था अखिल भारतीय सर्वभाषा संस्कृति समन्वय समिति के संस्थापक अध्यक्ष तथा वैश्विक पत्रिका प्रज्ञान विश्वम पत्रिका के प्रधान संपादक पंडित सुरेश नीरव ऐसे प्रथम भारतीय हैं जिन्हें जर्मनी के अति प्रतिष्ठित सम्मान 'मैक्समूलर एवार्ड' से तथा सुलभ साहित्य अकादमी के पांच लाख सम्मान राशिवाले प्रतिष्ठित 'श्रेष्ठ साहित्यकार सम्मान' से पहले भी सम्मानित किया जा चुका है। दक्षिण अफ्रीका के जोहांसबर्ग में आयोजित नवम विश्व हिंदी सम्मेलन में भी आप भारत सरकार के प्रतिनिधि कवि के रूप में भी सम्मिलित हो चुके हैं।

पंडित सुरेश नीरव की अबतक छब्बीस पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी है तथा एक लंबे समय तक आप हिंदुस्तान टाइम्स की प्रतिष्ठित साहित्यिक पत्रिका कादम्बिनी के संपादन मंडल से भी संबद्ध रहे हैं।

गीतिका

हमने तो सदा वीरों की आरती उतारी है
चली आ रही पुरातन ये संस्कृति हमारी है ।

विश्वासघाती भी सदा से यहाँ होते आये,
एकता हमारी पर कभी ना उनसे हारी है ।

बार बार मिटाने के बाद मिटती न ये ताकत,
इस लिये भारत की धरती, दुनिया से न्यारी है ।

लूटता प्रजा लुटेरा, सो टिक नहीं पाया यहाँ,
सुख बाँटा जिसने भी, वो प्रेम का पुजारी है ।

सबके साथ से विकास, बढाता सब में विश्वास,
शासक की सुन्दर सोच,अहो किस्मत हमारी है।

विजय प्रशांत

सुधियों की शाम

सदियों से खामोश रही दोपहर
एक चमकीली छुअन का स्पर्श
महसूस कर रही हूं अपने गाल पर
क्यों कि आज धूप में बैठकर
नाम काढ़ दिया तुम्हारा
मैं ने रूमाल पर
श्रृद्धा की पुलक
उत्सुकता की हलचल
स्मृतियों की आत्मगंध
सब का ताजा धुला एहसास टक गया है
अनायास ही रूमाल की हथेली पर
सच तुम्हारा नाम टांकते ही यह रूमाल
मोर पंखियोंसी मीठी रातों के भीगे सपनों का
एक स्मृति श्रृंगार हो गया है
दूर होते हुए भी मेरा मन
तुम्हारे कितने पास हो गया है।

मधु मिश्रा

ग़ज़ल-

चेतन आनंद

लोगों के दिल हैं तंग जरा देखते रहो,
दुनिया के रंग-ढंग जरा देखते रहो।

टूटी है डोर से तो गिरेगी जमीन पर,
जीवन की ये पतंग जरा देखते रहो।

लोगों के रौब-दाब तबाही ही लाएंगे,
छिड़ने लगी है जंग जरा देखते रहो।

टूटी हुई है साँस इसे जोड़ लीजिये,
रूठे न जलतरंग जरा देखते रहो।

सच तो यही है इसके बिना जिन्दगी नहीं,
गम भी खुशी के संग जरा देखते रहो।

यू.पी. ऑब्जर्वर साहित्य संवाद पृष्ठ के साहित्य संपादक अंतर्राष्ट्रीय साहित्यकार कवि पंडित सुरेश नीरव हैं।

शहर विधायक संजीव शर्मा ने सांसद अतुल गर्ग के साथ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से की मुलाकात

शहर विधायक संजीव शर्मा ने डिफेंस की जमीन पर हो रहे अतिक्रमण से रक्षा मंत्री को अवगत कराया

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। शहर विधायक संजीव शर्मा ने विधायक बनने के साथ ही अपने क्षेत्र के विकास व यहां की समस्याओं के समाधान की कवायद शुरू कर दी थी। इसी कडी में अब वे लाईनपार क्षेत्र की बहुत बडी समस्या डिफेंस की खाली पडी जमीन पर हो रहे अतिक्रमण को हटवाने के लिए जुट गए हैं। इसके लिए विधायक संजीव शर्मा ने सांसद अतुल गर्ग के साथ देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से उनके दिल्ली स्थित आवास पर मुलाकात की। शहर विधायक संजीव शर्मा ने उन्हें बताया कि लाईनपार क्षेत्र में डिफेंस की काफी जगह है, जो खाली पडी हुई है। इस जमीन पर असामाजिक तत्वों व अपराधिक किस्म के लोगों ने अतिक्रमण कर लिया है और यहां झुग्गियां बना ली हैं। यह अतिक्रमण पुराना विजयनगर में बाल्मीकि बस्ती से भूड भारत नगर में चावला होटल तक है। डिफेंस की खाली पडी जगह पर अतिक्रमण करके जो झुग्गियां बनाई गई हैं, उनमें अधिकांश में असामाजिक तत्व व आपराधिक किस्म के लोग निवास करते हैं और प्रतिदिन आपराधिक घटनाओं को अंजाम देते हैं, जिससे पूरे लाईनपार क्षेत्र के निवासी परेशान हैं और उनमें भय व्याप्त है। सांसद अतुल गर्ग ने भी आपको डिफेंस की खाली पडी जमीन, उस पर असामाजिक तत्वों व आपराधिक किस्म के लोगों द्वारा अतिक्रमण कर लाईनपार क्षेत्र में रोजाना आपराधिक घटनाओं को अंजाम देने के बारे में बताया गया है। विधायक संजीव शर्मा ने रक्षामंत्री राजनाथ सिंह को बताया कि लाईनपार क्षेत्र में लाखों लोग रहते हैं और सभी डिफंस की जमीन पर अतिक्रमण कर वहां निवास करने वाले असामाजिक तत्वों व अपराधिक किस्म के लोगों से परेशान व भयभीत हैं। अतः रक्षा मंत्रालय की अरबों रुपए की इस जमीन से अतिक्रमण हटवाया जाए ताकि लाईनपार क्षेत्र से अपराध खत्म हो और क्षेत्र का सम्पूर्ण विकास हो सके।

निराश्रितों के लिए निगम का अलाव बना संजीवनी, बढ़ती ठंड को देखते हुए नगर आयुक्त ने दिए अलाव व्यवस्था बढ़ाने के निर्देश

91 से बढ़कर 100 के पार पहुंची अलाव व्यवस्था

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा बढ़ती ठंड को देखते हुए अलाव व्यवस्था बढ़ाने के लिए विभाग को निर्देशित किया गया है, आश्रय स्थलों के साथ-साथ अन्य ऐसे स्थान जहां आवागमन बना रहता है ठंड की वजह से लोग एकत्र रहते हैं चिन्हित करते हुए अलाव की व्यवस्था कराई गई है।

प्रभारी उद्यान डॉक्टर अनुज द्वारा बताया गया पांचो जोन में सुखी लकडियां नियमित सभी आश्रय स्थलों पर पहुंचाई जा रही है इसके अलावा नगर आयुक्त के निर्देश अनुसार अन्य सार्वजनिक स्थानों पर भी अलाव की व्यवस्था कराई गई है लगभग 91 स्थान पर पिछले 10 दिन बढ़ती ठंड को देखते हुए अलाव की व्यवस्था बढ़ाई गई है, रेलवे स्टेशन, पुराना बस अड्डा, नया बस अड्डा, अस्पताल के बाहर, बैंकों के बाहर, प्रमुख चौराहों के पास, मेट्रो स्टेशन के बाहर, धार्मिक स्थलों के बाहर, व अन्य सार्वजनिक स्थलों पर ठंड से बचाव के लिए अलाव उपलब्ध कराया जा रहा है, निराश्रितों के लिए अलाव की व्यवस्था ठंड से काफी राहत दे रही है।

नगर आयुक्त द्वारा बताया गया कि गाजियाबाद नगर निगम द्वारा इस बार उद्यान विभाग की एकत्र की हुई लकड़ी का इस्तेमाल अलाव की व्यवस्था में किया गया है बाहर से लकड़ी खरीदी नहीं गई है जिससे लगभग 25 से 30 लाख की बचत निगम को हुई है, वर्तमान में 91 स्थान से बढ़ाकर 100 स्थान पर अलाव निराश्रितो हेतु जलाया जा रहा है, आश्रय स्थलों में हीटर की व्यवस्था कराई गई है इसके अलावा आवश्यकता पड़ने पर अलाव हेतु स्थलों को बढ़ाया भी जा सकता है।

ठंड व शीतलहर से बचाव के लिए बरतें सावधानी: सौरभ भट्ट

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि जनपद में वर्तमान समय में ठण्ड तेजी से बढ़ी है, उक्त बढ़ती ठण्ड के दृष्टिगत जनपद वासियों हेतु निम्नलिखित दिशा-निर्देश (एडवाइजरी) जारी करते हुए सौरभ भट्ट, अपर जिलाधिकारी (वि०/रा०) गाजियाबाद ने अवगत कराते हुए बताया कि लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से बचें। शरीर को सूखा रखें एवं गर्म कपड़ों से ढक कर रखे। शरीर को गर्म रखने हेतु गर्म पेय पदार्थ एवं पौष्टिक आहार का सेवन करें। हीटर, ब्लोअर, कोयले की अंगीठी आदि चलाते समय थोडी खिड़की खोलकर रखे और सोने से पहले इन सभी को बंद कर दें। ठण्ड के समय फ्लू, नाक बहना जैसी विभिन्न बिमारियों की संभावना बढ़ जाती है जो आमतौर पर ठण्ड के लम्बे समय तक संपर्क में रहने के कारण होती है। ऐसे लक्षणों के होने पर डाक्टर से परामर्श लें। शीतलहर के समय बुजुर्गों, नवजात शिशुओं तथा बच्चों का विशेष ध्यान रखें। शीतलहरी के समय अत्यन्त आवश्यक होने पर ही घर से बाहर निकलें। यदि सम्भव हो तो यात्रा से बचें। पर्याप्त रोग प्रतिरोधक शक्ति और शरीर के तापमान के संतुलन को बनाए रखने के लिए स्वस्थ भोजन, विटामिन सी से भरपूर फल और सब्जियां खाएं। शीतदंश (यथा शरीर के अंगों के सुन्न पड़ने, हाथ-पैरो, कान एवं नाक पर सफेद या पीले रंग के दाग इत्यादि पड़ने पर) जैसी बीमारियों के लक्षण होने पर तत्काल डाक्टर से संपर्क करें।

एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर का नगर आयुक्त ने किया औचक निरीक्षण गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने की दिए निर्देश

फरवरी 2025 में होगी दूसरे एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर की शुरूआत: नगर आयुक्त

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। गाजियाबाद नगर आयुक्त द्वारा शहर में बन रहे दूसरे एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर का औचक निरिक्षण किया गया, मौके पर नगर आयुक्त द्वारा चल रहे कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने की निर्देश अधिकारियों को दिए साथ ही फरवरी माह में एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर की शुरूआत करने के लिए भी निर्देशित किया गया, अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, उप मुख्य पशु चिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी डॉ अनुज, मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी भी मौके पर उपस्थित रहे।

नए बस अड्डे स्थित मल्टी लेवल कार पार्किंग के पीछे गाजियाबाद का दूसरा एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर बनाया जा रहा है करदाई संस्था सी एंड डी एस द्वारा निर्माण कार्य चल रहा है, ऑपरेशन थिएटर किचन एरिया डॉक्टर टीम के बैठने का स्थान स्टोर व अन्य रूम बनकर तैयार हो चुके हैं।

नगर आयुक्त द्वारा फिनिशिंग पर विशेष ध्यान देने के लिए कहा गया गुणवत्ता की मॉनिटरिंग बनाए रखने के लिए भी निर्देश दिए गए 35 से 40 स्वान प्रतिदिन की क्षमता रहेगी लगभग एक करोड़ 85 लाख की लागत से निर्माण कार्य चल रहा है।

गाजियाबाद नगर निगम नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व में शासन की योजनाओं को धरातल पर लाने के लिए रफ्तार दे रहा है, इसी क्रम में शहर वासियों को लाभ प्राप्त हो तेजी से प्रोजेक्ट के निर्माण कार्यों को कराया जा रहा है।

शहर का दूसरा एनिमल कंट्रोल बर्थ सेंटर सभी के लिए लाभदायक रहेगा, उपस्थित टीम को तेजी से कार्य पूर्ण करने के लिए कहा गया।

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन के पदाधिकारियों ने ली शपथ

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन के जिला अध्यक्ष कपिल सर्राफ के निवास पर नगर नजीबाबाद के व्यापारियों ने बड़ी मात्रा में सदस्यता ग्रहण की और संगठन के प्रति अपनी आस्था प्रकट की संगठन के जिला मीडिया प्रभारी एवं नगर महामंत्री शाहिद सिद्दीकी ने सभी व्यापारियों को माला पहनकर एवं मानो नयन पत्र देकर संगठन की सदस्यता दिलाई इस मौके पर फहीम अहमद नगर संगठन मंत्री मुकमील फिरोग मंत्री मोहम्मद जाकिर मंत्री शरद कुमार रिजवान अहमद शादाब हैदर सजर तय्यब मोहम्मद फैसल फुरकान सम्मानित सदस्य मनोनीत हुए श्री सर्राफ ने कहा कि संगठन में शक्ति है हम सब व्यापारियों को एक रहना है किसी भी उत्पीड़न का सामना मिलजुल कर करेंगे और उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं करेंगे व्यापारी निर्भीक होकर अपना व्यापार ईमानदारी के साथ करें सभी व्यापारियों ने उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन जिंदाबाद के नारे लगाए।

ग्राम पंचायत में प्रगति समीक्षा बैठक का आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। प्रधानमंत्री सूर्य घर बिजली योजना के अंतर्गत विकासखंड मुरादनगर की ग्राम पंचायत कुम्हैड़ा को पहला सोलर गांव के रूप में विकसित किए जाने के संबंध में आज मुख्य विकास अधिकारी द्वारा ग्राम पंचायत में प्रगति समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में विद्युत विभाग, विभिन्न बैंकों एवं कार्यदायी संस्था के जनप्रतिनिधि,विकास खंड स्तरीय अधिकारी एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे ।बैठक के दौरान ग्राम वासियों द्वारा पूछे विभिन्न सवालों, उनकी जिज्ञासाओं को सुनते हुए मुख्य विकास अधिकारी द्वारा मौके समाधान किया गया।

शीघ्र अति शीघ्र लंबित लोन एप्लीकेशन को अप्रूव किए जाने हेतु उपस्थित पंजाब नेशनल बैंक एवं केनरा बैंक के प्रतिनिधियों एवं लीड बैंक मैनेजर को निर्देशित किया ।साथ ही जो भी ग्रामवासी ऐसे हैं जिनका सिबिल स्कोर खराब है उनको अन्य माध्यम से संसाधन उपलब्ध कराए जाने के भी निर्देश दिए तथा अगले एक माह में शत प्रतिशत घरों आर सोलर पैनल स्थापित किए जाने का लक्ष्य दिया गया। ग्रामीणों को फार्मर रजिस्ट्री एवं फैमिली आईडी बनाए जाने हेतु स्वयं तथा जनसेवा केंद्र,पंचायत सहायक के माध्यम से आवेदन किए जाने हेतु प्रेरित किया।

तत्पश्चात ग्राम पंचायत में पूर्व से निर्मित अमृत सरोवर का भी निरीक्षण किया गया एवं ग्राम पंचायत सचिव, ग्राम प्रधान ग्राम पंचायत सचिव को उक्त तालाब को सही रूप से रखे जाने हेतु नियमित रूप से साफ सफाई एवं रख रखाव रखने के संबंध में भी निर्देश दिए गए। अंत में मुख्य विकास अधिकारी द्वारा ग्राम पंचायत में संचालित सामुदायिक शौचालय का निरीक्षण कर जल्दी ही बने पंचायत सचिवालय का भी निरीक्षण किया गया।जहां पर कार्यदायी संस्था के गोदाम का निरीक्षण कर ,कार्य कर रही टीम से भी वार्ता की और शीघ्र कार्य पूर्ण कारने हेतु उनका उत्साहवर्धन किया।

मल्टीपल जीपीए रजिस्ट्री को लेकर प्राधिकरण में तैयार होगी नई व्यवस्था, 1000 से ज्यादा मामले होंगे हल

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

नोएडा। नोएडा में मल्टीपल जीपीए रजिस्ट्री से संबंधित मामलों को लेकर एक नई व्यवस्था बनाने की दिशा में कदम उठाए गए हैं। बोर्ड ने अधिकारियों को इस मुद्दे पर ठोस कदम उठाने का निर्देश दिया है, ताकि आवंटियों को रजिस्ट्री की सुविधा मिल सके। नोएडा में इस समय 1000 से अधिक ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां एक ही संपत्ति पर कई जीपीए दस्तावेज मौजूद हैं, और इस कारण रजिस्ट्री की प्रक्रिया अटकी हुई है।

नोएडा प्राधिकरण द्वारा कराए गए सर्वे में यह पाया गया कि नोएडा के विभिन्न सेक्टरों में कई परिवार ऐसे हैं जिनके पास एक से अधिक जीपीए दस्तावेज हैं। हालांकि, नोएडा प्राधिकरण के अनुसार, मल्टीपल जीपीए के आधार पर कोई भी रजिस्ट्री नहीं की जा सकती है और ना ही ऐसे फ्लैट्स पर कब्जा लिया जा सकता है। इस स्थिति के समाधान के लिए बोर्ड ने एक नई योजना बनाने का निर्णय लिया है, ताकि इस मुद्दे का निवारण हो सके।

10 दिसंबर 2024 को एयरफोर्स नेवल हाउसिंग बोर्ड ने एक पत्र में यह जानकारी दी कि जलवायु विहार सेक्टर-21 और सेक्टर-25 में करीब 730 परिवार प्रथम जीपीए के तहत निवास कर रहे हैं, जबकि 200 परिवार ऐसे हैं जिनके पास एक से अधिक जीपीए दस्तावेज हैं। यह संख्या सिर्फ दो सेक्टरों की है, जबकि नोएडा में और भी कई सेक्टर हैं जहां मल्टीपल जीपीए के आधार पर लोग निवास कर रहे हैं। इस स्थिति में रजिस्ट्री की प्रक्रिया जटिल हो गई है।

2003 में जारी शासनादेश के तहत, नोएडा में आवासीय और औद्योगिक विकास विभाग द्वारा आवंटित संपत्तियों पर पावर ऑफ एटार्नी (जीपीए) के आधार पर रजिस्ट्री की एक कार्ययोजना बनाई गई थी। इस योजना के तहत, ट्रांसफर शुल्क लेकर रजिस्ट्री की गई थी। 2004 से 2006 के बीच 600 संपत्तियों की रजिस्ट्री मल्टीपल जीपीए के आधार पर की गई थी, जिसमें विभिन्न प्रतिशत शुल्क लिया जाता था। अब, नोएडा प्राधिकरण द्वारा 2003 की नीति के तहत फिर से नीतिगत निर्धारण करने का विचार किया जा सकता है। इसके तहत विभिन्न प्रकार के जीपीए धारकों से रजिस्ट्री के लिए अलग-अलग शुल्क लिया जाएगा। आवंटी द्वारा सामान्य रजिस्ट्री पर 2.50 प्रतिशत शुल्क लगेगा। आवंटी के जीपीए धारक द्वारा अपने रक्त संबंधी के लिए रजिस्ट्री करने पर 3.75 प्रतिशत शुल्क लगेगा। आवंटी के जीपीए धारक द्वारा अन्य के पक्ष में रजिस्ट्री करने पर 5 प्रतिशत शुल्क लगेगा। आवंटी के जीपीए धारक द्वारा पुनः जीपीए सेकेंड रजिस्ट्री पर 10 प्रतिशत शुल्क लगेगा। तीसरे जीपीए धारक द्वारा रजिस्ट्री पर 15 प्रतिशत शुल्क लिया जाएगा।

बोर्ड बैठक में इस मामले पर चर्चा के बाद यह निर्णय लिया गया कि इस मुद्दे का समाधान निकालने के लिए एक नई व्यवस्था तैयार की जाएगी, जिससे आवंटियों को रजिस्ट्री कराई जा सके और उन्हें लाभ मिल सके। अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे आगामी बोर्ड बैठक में इस नई व्यवस्था को प्रस्तुत करें। इस कदम से नोएडा में मल्टीपल जीपीए से जुड़े मामलों को सुलझाने में मदद मिल सकती है, और रजिस्ट्री की प्रक्रिया को सरल बनाया जा सकता है, जिससे आवंटियों को राहत मिलेगी और कानूनी समस्याओं का समाधान हो सकेगा।

मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। पंचायत राज विभाग-पंचायत राज अधिकारी पंचायत द्वारा अवगत कराया गया कि 15 वी वित्त आयोग ने 90.10 प्रतिशत तथा 5 वा राज्य वित्त आयोग में 99 10 व्यय कर लिया गया है। इस सम्बन्ध में समस्त सहायक विकास अधिकारियों को व्यय करने हेतु अवगत करा दिया गया है। निर्देश दिये गये है कि शत प्रतिशत व्यय करने तथा प्रदेश में टाप टेन रैंक में रहने के निर्देश दिये गये । विकास खण्ड रजापुर द्वारा पंचम राज्य वित्त आयोग क्षेत्र पंचायत में कम व्यय करने पर जिला विकास अधिकारी को नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गये। वित्तीय वर्ष 2024-2025 मे 07 अंत्येष्टि स्थलों का निर्माण कराया जाना है जिसमें प्रथम किस्त की धनराशि ग्राम पंचायतों के खाते में हस्तांतरित करा दी गई। वित्तीय वर्ष 2024-2025 में व्यक्तिगत शौचालयों 2137 के सापेक्ष 2125 शीचालयों का निर्माण पूर्ण कर लिया गया है तथा शेष 18 शौचालय निमार्णाधीन है। निर्देश दिये गये है कि शेष शौचालयों को निर्माण ससमय पूर्ण करना सुनिश्चित करें।

170 के सापेक्ष 147 ग्राम पंचायतों को ओ०डी० अफ०प्लस घोषित कर दिया गया है. जिनमें से 125 का सत्यापन कार्य पूर्ण कर लिया गया। निर्देश दिये गये है सभी ग्राम पंचायतों को ओ०डी० अफ० प्लस घोषित करने की कार्यवाही यथा शीध कराई जाये

1- दीनदयाल अन्त्योदय योजना राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अन्तर्गत विकास खण्ड लोना मे वार्षिक लक्ष्य 9 के सापेक्ष 6 का समूह का गठन किया गया है। निर्देश दिये गये है कि यथा शीध समूह का गठन कराने की कार्यवाही पूर्ण की जाये।

2-विद्युत्त सखियों को सक्रिय करवाने के लिये शेष 41 सखियों का शीघ्र वॉलेट रिचार्ज करवाने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही सक्रिय विद्युत सखियों से विकास खण्डों में प्रशिक्षण करवाने तथा करंट एकाउंट खुलवाने के लिये भी निर्देशित किया गया। 3- विकास खण्ड लोनी, मुरादनगर को आर०एफ० प्राप्त समूहों को लोकोज में फीड करने हेतु निर्देश दिये गये। सामूहिक विवाह योजना जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद में लाभार्थियों 45 जोडों का सामूहिक विवाह कराया जा चुका है। वर्तमान में आनलाइन पर प्राप्त 60 आवेदन की जाँच कराई जा रही है। निर्देश दिये गये कि पार्षदों से मिलकर अधिक से अधिक आवेदन प्राप्त कराना सुनिश्चित करे। सोशल सेक्टर में अधिकारियो को निर्देश दिये कि समस्त विकास खण्डों / तहसील स्तर पर लम्बित आवेदनो का समन्वय कर निस्तारित करायें बैठक में उपस्थित समस्त अधिकारियो को निर्देश दिये कि अपने स्टाफ की फैमली आई०डी० बनवाना सुनिश्चित करें।

पीएसी 41वीं बटालियन में आयोजित हुआ दीक्षांत समारोह

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। दीक्षांत समारोह में 98 पुलिसकर्मियों को दिलाई पद व गोपनीयता की शपथ छह माह को प्रशिक्षण पूरा होने पर पीएसी-41वीं बटालियन में हुआ । पीएसी-41 में आयोजित दीक्षांत समारोह में गुरूवार को 98 जवानों को पद एवं गोपनीयता का शपथ दिलाई गई। उपरोक्त सभी जवान छह माह का प्रशिक्षण पूरा होने के बाद उत्तर प्रदेश नागरिक पुलिस को हिस्सा बन गए। जुलाई 2024 से यह प्रशिक्षण चल रहा था। दीक्षांत परेड समारोह मुख्य अतिथि भारती सिंह, पुलिस महानिरीक्षक, पीटीएस मेरठ, शालिनी, पुलिस उपमहानिरीक्षक व सेनानायक 41वीं वाहिनी पीएसी, गाजियाबाद के निकट प्रर्यवेक्षण में सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि ने परेड का मान सम्मान ग्रहण करते हुए परेड का निरीक्षण किया। इसके बाद आन्तरिक, बाह्य एवं परेड कमांडरों को ट्रोफी एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि ने रिकूट आरक्षियों को पद एवं गरिमा की शपथ दिलाई गई एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। इस मौके पर सेनानायक 47वीं वाहिनी पीएसी चारू निगम (आईपीएस), दिनेश यादव (आईपीएस) उपसेनानायक 41वीं वाहिनी पीएसी, शिविरपाल रवींद्र कुमार सुबेदार, सैन्य सहायक गोबिन्द बल्लभ चौसाली, आरटीसी प्रभारी हरेन्द्र पाल सिंह तथा वाहिनी के समस्त अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

सेहत/स्वास्थ्य

सर्दियों में शकरकंद खाने से मिलते हैं ढेरों फायदे, जानिए कैसी होती है इसकी तासीर

शकरकंद में कार्बोहाइड्रेट और फाइबर की भरपूर मात्रा पाई जाती है। इसकी वजह से लोग आलू की जगह शकरकंद खाने की सलाह देते हैं। शकरकंद में विटामिन ए की अच्छी मात्रा पाई जाती है।

अनन्या मिश्रा

सर्दियों का मौसम शुरू होते ही कुछ चीजों की डिमांड तेजी से बढ़ती है। इन्हीं में से एक शकरकंद है। कुछ लोग इसको भूनकर खाते हैं, तो कुछ लोग उबालकर खाते हैं। इसकी गिनती फल और सब्जियों दोनों में की जाती है और यह ठंड में खूब बिकता है। शकरकंद न सिर्फ खाने में स्वादिष्ट होता है बल्कि यह स्वास्थ्य के लिए भी काफी अच्छा माना जाता है। शकरकंद में कई ऐसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो हमारे शरीर के लिए अच्छे माने जाते हैं।

बता दें कि शकरकंद में कार्बोहाइड्रेट और फाइबर की भरपूर मात्रा पाई जाती है। इसकी वजह से लोग आलू की जगह शकरकंद खाने की सलाह देते हैं। शकरकंद में विटामिन ए की अच्छी मात्रा पाई जाती है। वहीं इसमें मौजूद फाइबर मेटाबॉलिज्म को तेज करता है। इसके अलावा शकरकंद में जिंक, कार्बोहाइड्रेट और मैग्नीशियम जैसे तत्व पाए जाते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसकी तासीर गर्म होती है या ठंडी। तो इस आर्टिकल में हम आपको बताने जा रहे हैं कि शकरकंद की तासीर ठंडी होती है या गर्म।

ठंडा या गर्म होता है शकरकंद

बहुत से लोगों को शकरकंद खाना पसंद होता है। लेकिन लोग कंफ्यूज होते हैं कि इसकी तासीर ठंडी होती है या गर्म। तो बता दें कि शकरकंद की तासीर गर्म होती है, इसलिए सर्दियों में इसका अधिक सेवन किया जाता है। क्योंकि इसमें विटामिन सी की अच्छी मात्रा पाई जाती है। जो आपकी इम्यूनिटी को मजबूत करता है और फ्लू जैसी समस्याओं से बचाता है। साथ ही यह शरीर को सर्दी भी प्रदान करता है।

इन समस्याओं में है फायदेमंद

सर्दियों में शकरकंद का सेवन स्वास्थ्य के लिहाज से काफी फायदेमंद माना जाता है। इसको खाने से रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है। शकरकंद में विटामिन सी की अच्छा मात्रा पाई जाती है, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करता है।

शकरकंद में फाइबर पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है और इसको खाने से पाचन में सुधार होता है।

अगर आप खाना पचा नहीं पा रहे हैं, तो आपको इसको अपनी डाइट में शामिल करना चाहिए। सर्दियों के मौसम में लोग एक्सरसाइज करने में आलस करते हैं। जिसकी वजह से वजन तेजी से बढ़ता है। ऐसे में अगर आप अपनी डाइट में शकरकंद को शामिल करते हैं, तो फाइबर से भरपूर होने की वजह से आपको जल्दी भूख नहीं लगेगी और आप ज्यादा खाने से बच जाएंगे।

कब न खाएं शकरकंद

हम में से बहुत से लोग कभी भी शकरकंद का सेवन कर लेते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ऐसा करना आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए रात के समय शकरकंद खाने से बचना चाहिए और यदि आप मधुमेह या फिर मोटापे से पीड़ित हैं, तो आपको दोपहर 12 से 3 बजे के बीच शकरकंद खाना चाहिए। हालांकि आप शकरकंद को कई तरह से खा सकते हैं। आप इसको उबालकर, भाप में पकाकर या फिर बेक करके खा सकते हैं। आप सर्दियों में इसका सूप बनाकर भी सेवन कर सकते हैं।

ज्योतिष

कैसा रहेगा आपके लिए नया साल.....

मेष : नया साल आपके लिए संघर्षपूर्ण रहने वाला है । धैर्य व संयम से काम लिया तो ये साल आपके लिए अनेक उपलब्धियाँ लेकर आएगा । अपने अन्दर छिपी प्रतिभा को पहचानिए, तभी आप विजयी हो पायेंगे । स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष कठिन साबित हो सकता है । आय की दृष्टि से यह वर्ष लाभदायक रहेगा । भूमि से धन अर्जन करेंगे ।

उपाय- हनुमान जी की आराधना आपको विशेष शुभ फलदाई साबित होगी ।

वृषभ : यह वर्ष आपके लिए विशेष उपलब्धिजनक रहेगा । यह भाग्योदय का वर्ष है । परीक्षा परिणाम आशानुरूप रहेगा, लेकिन अति भावुकता से बचिएगा । प्रेम प्रसंग में निराशा हाथ लग सकती है, इसलिए यह वर्ष सिर्फ अपने कैरियर और प्रगति पर ही फोकस करने के लिए है । मानसिक अवसाद से परेशान हो सकते हैं ।

उपाय- माँ दुर्गा जी की आराधना करें, माँ की कृपा से आपको हर क्षेत्र में कामयाबी मिलेगी ।

मिथुन : यह वर्ष आपके लिए उतार चढ़ाव वाला रहने वाला है । आशा- निराशा, लाभ- हानि, सफलता- असफलता साथ साथ चलती मिलेंगी इसलिए स्वयं में धैर्य व गम्भीरता का समावेश करिए । पढ़ाई व नौकरी में सफलता के मामले में यह वर्ष अच्छा रहेगा । स्वास्थ्य में भी पूरे वर्ष उतार चढ़ाव रहेगा । सुख के साधनों में वृद्धि होगी । माता- पिता से सहयोग व लाभ मिलेगा ।

उपाय- भगवान श्री गणेश जी की नियमित आराधना करें ।

कर्क : यह साल आपके सपनों को पूरा करने का वर्ष है, बस मनोबल ऊँचा बनाकर रखिएगा । आपके मनोबल को तोड़ने के लिए प्रतिकूल परिस्थियाँ आएंगी, लेकिन ध्यान रखिए- आपके सपने ऊँचे हैं तो संघर्ष भी बड़ा ही होगा । इस साल कई बड़ी उपलब्धियाँ आपके हिस्से में आने वाली हैं । स्वास्थ्य भी पूरे वर्ष लगभग ठीक ही रहेगा ।

सुझाव - भगवान शंकर जी की नियमित आराधना करें । अद्भुत परिणाम मिलेंगे ।

सिंह : यह वर्ष आपके धैर्य व संयम की परीक्षा लेने वाला है और यदि आप इसमें सफल रहे तो आपके हिस्से में सफलता व सुख के साधन अवश्य आयेंगे । आपको अपना गुस्से व जिद्द पर जबरदस्त नियन्त्रण रखना ही पड़ेगा । विदेश यात्रा का योग बनेगा । दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी ।

सुझाव - भगवान सूर्य की नियमित आराधना करें । आदित्यहृदय स्त्रोत का नियमित पाठ करें ।

कन्या : कन्या राशि वालों के लिए यह वर्ष बेहद शुभ साबित हो सकता है । नौकरी, व्यवसाय, दाम्पत्य सुख, भौतिक व आध्यात्मिक उन्नति सब लिहाजों से यह वर्ष यादगार बनेगा, बस मन पर नियन्त्रण रखिएगा तथा पारिवारिक मामलों व उलझनों से आपको स्वयं को विरक्त करना पड़ेगा । स्वास्थ्य पूरे वर्ष थोड़े बहुत उतार चढ़ाव के साथ अच्छा ही रहेगा ।

सुझाव- गोसेवा से आपको अकल्पनीय सुपरिणाम प्राप्त होंगे । अधिक से अधिक गोसेवा करें ।

तुला : आपके लिए यह वर्ष प्रारम्भ में परेशानी पैदा करेगा किन्तु यदि आपने अपनी भावनाओं पर काबू रखा और निराशा को पास नहीं फटकने दिया तो यह वर्ष आपके लिए उपलब्धिजनक साबित हो सकता है । आपको अपने कम्फर्ट जोन से बाहर आना ही पड़ेगा वरना दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है ।

सुझाव- श्रीरामचरितमानस का नित्य पाठ करें । सर्वमनोकामनाएँ पूरी होंगी ।

वृश्चिक : यह वर्ष आपके संघर्ष की जीत का वर्ष है । ध्यान रखिएगा यदि आपने धैर्य बनाए रखा और सटीक रणनीति से परिश्रम जारी रखा तो यह वर्ष आपके भाग्य के उदय का वर्ष साबित हो सकता है । अपने बड़ों व गुरू से सतत मार्गदर्शन लेते रहिएगा ।

उपाय- भगवान श्री हनुमान जी की नियमित आराधना करें, साथ ही दुर्गासप्तशती का भी नियमित पाठ करें ।

धनु : यह वर्ष आपके लिए लाजवाब साबित होने जा रहा है । कमाल की उपलब्धियाँ आपके हिस्से आने वाली हैं । यद्यपि इस साल उचार चढ़ाव भी अधिक देखेंगे, कई बार लगेगा कि कुछ हाथ आएगा या नहीं किन्तु विश्वास बनाए रखिएगा और परिश्रम जारी रखिएगा, अन्त में सब अच्छा हो जाएगा ।

सुझाव - भगवान श्री विष्णु जी की नियमित पूजा करें । नारायण कवच का नित्य पाठ करें, सभी काम बनेंगे ।

मकर : आपका वर्ष आपके लिए मिश्रित फल देने वाला है । वस्तुतः इस वर्ष से आप क्या लाभ उठा पायेंगे यह आपके परिश्रम, सही रणनीति व सटीक मार्गदर्शन पर निर्भर करेगा । अपने दोस्त व मार्गदर्शक सही से चुनिएगा, परिणाम उसी के अनुरूप आएगा । स्वास्थ्य में इस साल उतार चढ़ाव अधिक रहेगा । कई बार निराशा के आभव आयेंगे, लेकिन ईश्वर पर भरोसा रखिएगा, सब अच्छा होगा ।

सुझाव - भगवान शंकर और हनुमान जी की नियमित आराधना करें । हर मंगल या शनिवार सुंदरकाण्ड का पाठ करें ।

कुंभ : यह वर्ष आपके लिए जैकपॉट साबित हो सकता है, बशर्ते कम्फर्ट जोन और फालतू के चीजों में आपने समय बरबाद नहीं किया तो । सरकारी नौकरी पाने के लिए यह स्वर्णिम अवसर है, बस मेहनत में कमी ना आए । स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष थोड़ा कठिन साबित हो सकता है, इसलिए बेहतर है कि जीवन में अनुशासन बना कर रखा जाए । यह साल जीवन में अविस्मरणीय उन्नतिकारक भी बन सकता है, बस पिछली गलतियों को आपको दोहराना नहीं है ।

सुझाव- श्रीरामचरितमानस के साथ- साथ श्रीमद्भग्वद्गीता का भी नियमित पाठ करें ।

मीन : यह वर्ष आपके जीवन में निर्णायक साबित हो सकता है, बशर्ते सही निर्णय ले पाए तो । किसी भी भ्रम में मत रहिएगा, जो भी निर्णय लीजिएगा, त्वरित और औचित्यपूर्ण हो । प्रतिभा व परिश्रम पर भरोसा रखिए- जीवन में कुछ अद्भुत पाने वाला साल साबित हो सकता है । स्वास्थ्य कमोबेश ठीक रहेगा ।

सुझाव- भगवान विष्णु जी की नियमित आराधना करें । गजेन्द्र मोक्ष का नियमित पाठ करें ।

ब्यूटी / फैशन

हेयर फॉल रोकने के लिए घर पर बनाएं मेथी और प्याज का तेल, घने और लंबे होंगे बाल

आपको कम से कम एक बार घर पर इस नेचुरल तेल को बनाकर बालों में अप्लाई करना चाहिए। बता दें कि घर पर केमिकल फ्री हेयर ऑयल को बनाना बहुत आसान है। मेथी और प्याज दोनों ही हमारे बालों के लिए फायदेमंद होता है।

अनन्या मिश्रा

अक्सर लोग हेयर फॉल की समस्या से जूझते रहते हैं। हेयर फॉल को रोकने के लिए लोग केमिकल बेस्ड महंगे-महंगे हेयर ऑइल का इस्तेमाल करते हैं। जिससे बाल और भी ज्यादा डैमेज होते हैं। ऐसे में आपको कम से कम एक बार घर पर इस नेचुरल तेल को बनाकर बालों में अप्लाई करना चाहिए। बता दें कि घर पर केमिकल फ्री हेयर ऑयल को बनाना बहुत आसान है। मेथी और प्याज दोनों ही हमारे बालों के लिए फायदेमंद होता है। ऐसे में आप इस तेल को अपने हेयर केयर रूटीन में शामिल कर अपने बालों को लंबा और घना बना सकती हैं। इस तेल से आपका हेयर हेल्थ भी काफी हद तक इंप्रूव हो सकता है। तो आइए जानते हैं इस तेल के फायदे और इसे बनाने के तरीके के बारे में...

मेथी दाने और प्याज का मिक्सचर

घर पर हेयर ऑयल बनाने के लिए आपको 2 चम्मच मेथी दाने और एक मीडियम साइज की प्याज लें। इन दोनों ही चीजों का मिक्सचर बालों की सेहत के लिए काफी अच्छा माना जाता है। इस तेल को बनाने के लिए सबसे पहले मेथी दाने को रातभर के लिए पानी में भिगोकर छोड़ दें और प्याज को बारीक-बारीक काट लें।

ऐसे बनाएं ये तेल

सबसे पहले भीगे हुए मेथी के दाने और बारीक कटे प्याज को अच्छे से पीस लें और इस स्मूद पेस्ट को वर्जिन कोकोनट ऑइल में करीब 10-15 मिनट तक पकाएं। अब इस तेल को ठंडा होने के बाद छान लें और इस तेल को बालों में अप्लाई करें। बालों में तेल को अप्लाई करने के बाद हेयर वॉश कर लें।

मिलेंगे बहुत सारे फायदे

बता दें कि बेहतर रिजल्ट पाने के लिए आप सप्ताह में दो बार इस तेल का इस्तेमाल कर सकती हैं। वहीं इस तेल का रेगुलर इस्तेमाल करने से आपके बाल लंबे और घने हो सकते हैं।

इस तेल के इस्तेमाल से आपको बालों संबंधित समस्याओं से निजात मिल सकता है। आप मेथी दाने और प्याज से बने इस तेल का इस्तेमाल कर आप हेयर हेल्थ को काफी हद तक इंप्रूव कर सकती हैं।

घरेलू नुस्खे

ग्लोइंग स्किन और गट हेल्थ के लिए किसी चमत्कार से कम नहीं है यह ड्रिंक, निखार देखकर सब पूछेंगे इसका राज

इस आर्टिकल में हम आपको डॉक्टर शिल्पा अरोड़ा की बताई हुई स्किन और गट के लिए फायदेमंद ड्रिंक बताने जा रहे है। यह स्किन में निखार तो लाएगा भी और हेल्द के लिए भी फायदेमंद होगी।

दिव्यांशी भदौरिया

खराब लाइफस्टाइल और गलत खानपान की वजह से हेल्थ की समस्याओं से जूझना पड़ता है।

बाहर के जंक फूड के खान से चेहरे पर पिंपल्स और झुर्रियां परेशान करती है। हेल्दी स्किन और गट के लिए न जाने हम सभी क्या-क्या नहीं करते हैं। इस लेख में हम आपको ऐसी जादुई ड्रिंक बताने जा रहे हैं, जो त्वचा को प्राकृतिक निखार देगा। इसे बनाने के लिए जिन चीजों का प्रयोग किया जाता है वो न सिर्फ त्वचा को निखारेंगी बल्कि आपके गट और हेल्थ के लिए काफी लाभदायक है। आइए आपको बताते हैं कांजी बनाने के फायदे।

कांजी कैसे बनाएं

- काली गाजर- 2-3
- नमक - 1 चम्मच
- पिसा हुआ सरसों पाउडर - 1 चम्मच
- काला नमक- 1/2 चम्मच
- हींग 1/3 चम्मच
- पानी 3 गिलास

ऐसे बनाएं कांजी

- इसके लिए आप काली गाजर लें और उसे 2-2 इंच के लंबे टुकड़ों में छीलकर काट लें।
- अब आप एक पैन लें और इसमें 3 गिलास पानी डालकर उबाल लें।
- पानी में उबाल आ जाए तो उसे एक बाउल में निकाल लें और थोड़ा ठंडा होने के लिए रख दें और फिर इसमें काली गाजर डाल दें।

- पानी का रंग गुलाबी हो जाए तो इसमें रॉक सॉल्ट, सरसों पाउडर, काला नमक और हींग डालकर अच्छे से मिला लें।
- अब इस पानी को एक जार में भरकर 3-4 दिन के लिए फेरमेंट होने के लिए रख दें।
- तैयार है आपकी कांजी ड्रिंक।

कांजी पीने के फायदे

कांजी पीने से क्लियर ग्लोइंग स्किन मिलती है। चमकदार त्वचा तभी बनती है, जब हम गट फ्रेंडली हेल्दी फर्मेंटेड फूड खाते हैं। इस ड्रिंक में फर्मेंटेशन की वजह से ये ड्रिंक प्रोबियोटिक से रिच होती है, इसके सेवन से एसिडिटी, हार्टबर्न, आईबीएस, कॉन्स्टिपेशन, ब्लोटिंग से बचाता है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अगर आप ऐसी हेल्दी चीजें पिएंगे तो गट हेल्दी रहेगा। गट हेल्दी रहने की वजह से स्किन ग्लोइंग होगी।

जिला सहकारी बैंक लिमिटेड की कस्बा रोड शाखा का हुआ स्थानांतरण

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। जिला सहकारी बैंक लिमिटेड गाजियाबाद की कस्बा रोड शाखा का सोमवार को हाईवे स्थित भगवानगंज मंडी के सामने स्थित बिल्डिंग में स्थानांतरण कर दिया गया। सोमवार को इस नई शाखा का शुभारंभ मुख्य अतिथि सहकारी बैंक चेयरमैन एवं पूर्व ब्लाक अध्यक्ष कृष्ण वीर सिंह ने फीता काटकर किया। इस मौके पर बैंक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी संदीप सिंह शाखा प्रबंधक नरेश चंद्र शर्मा एवं भाजपा नेता स्वदेश जैन और पूर्व सांसद प्रतिनिधि विनोद गोस्वामी मौजूद रहे। शुभारंभ के मौके पर बैंक प्रबंधक नरेश चंद्र शर्मा ने बताया की बैंक की आशा का पूरी तरह से कंप्यूटरीकृत एवं वातानुकूलित होगी इस मौके पर सुजीत चौधरी रेनू नरेश सुचित्रा राघव कुशल पाल शर्मा कमल कुमार आदि बैंक कर्मी मौजूद रहे।

मोदी शुगर मिल्स ने पेराई सत्र 2023-24 के समस्त गन्ना मूल्य का किया भुगतान

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। मोदी शुगर मिल्स ने गन्ना पेराई सत्र 2023-24 के गन्ना मूल्य के पेमेन्ट शेडयूल गन्ना आयुक्त, प्रमुख सचिव व जिलाधिकारी को दिया गया था जिसमें गन्ना मूल्य भुगतान 30 दिसम्बर तक करने का आश्वासन दिया गया था। अतः चीनी मिल, मोदीनगर द्वारा पेमेन्ट शेडयूल के अनुसार वर्ष 2023-24 का समस्त भुगतान अंकन रुपए 316.47 करोड गत 30 दिसम्बर को कर दिया गया है। डी०डी० कौशिक जनरल मैनेजर (पी०आर०) के मुताबिक पूर्व वर्ष के भुगतान से 2-3 माह पूर्व इस सत्र का भुगतान किये जाने पर किसानों में काफी हर्ष की लहर है। शीघ्र ही वर्ष 2024-25 के गन्ना मूल्य का भुगतान प्रारम्भ किया जायेगा।

छाया पब्लिक स्कूल में आयोजित किया गया पुरातन छात्र मिलन समारोह

- एसीपी ज्ञान प्रकाश राय व चेयरमैन विनोद वैशाली ने संयुक्त रूप से किया दीप प्रज्वलित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। गोविंदपुरी स्थित छाया पब्लिक स्कूल प्रांगण में पुरातन छात्र मिलन समारोह व बाल मेंले का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन संयुक्त रूप से एसीपी ज्ञान प्रकाश राय व नगर पालिका परिषद अध्यक्ष विनोद वैशाली द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया।

इस अवसर पर बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए गए और विभिन्न प्रकार के व्यंजनों व पुरानी धरोहरों का बच्चों द्वारा प्रदर्शन किया गया। विद्यालय के प्रबंधक अखिलेश द्विवेदी द्वारा अतिथियों को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। स्कूल के प्रधानाचार्य डॉक्टर अरुण त्यागी ने बताया कि प्रत्येक वर्ष बच्चों को अपनी पुरानी सांस्कृतिक विरासतों से रूबरू कराने के लिए इस मेले का आयोजन किया जाता है और भारतीय संस्कृति जिसको विदेशो में भी भारतवर्ष की एक विशेष पहचान है उसको इस मेले के माध्यम से आम जनता तक पहुंचाया जाता है इस अवसर पर विद्यालय के छात्राओं व अभिभावकों ने मेले का जमकर लुत्फ उठाया कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी शिक्षक , शिक्षिकाओं व छात्र-छात्राओं का विशेष योगदान रहा।

जवाहर लाल मैमोरियल गर्ल्स इण्टर कॉलिज ने धूमधाम के साथ मनाया वार्षिकोत्सव

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। जवाहर लाल मैमोरियल गर्ल्स इण्टर कॉलिज आयुध निमार्णी मुरादनगर में शुक्रवार को जवाहरलाल मेमोरियल गर्ल्स इंटर कॉलेज आयुध निमार्नी मुरादनगर में इस वर्ष का वार्षिक उत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस भव्य आयोजन की शोभा मुख्य अतिथि विनीत शर्मा कार्यकारी निदेशक यंत्र इंडिया लिमिटेड मुरादनगर की गरिमामयी उपस्थिति से हुई। कार्यक्रम के अध्यक्ष चेयरमैन अमरजीत सिंह (बिडडी) रहे , जिनके मार्गदर्शन में इस आयोजन को एक नई ऊँचाई तक पहुंचाया। कार्यक्रम की थीम महौलियत सेव दा अर्थ और प्रदूषण के विरुद्ध एक युद्ध थी, जो समाज को प्रदूषण और पर्यावरण संरक्षण के महत्व के प्रति जागरूक करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास था। विशिष्ट अतिथि के रूप मे एडी. आईओएस सतीश कुमार पांडेय ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम मे चार चांद लगा दिए।

पुरस्कार वितरण का महत्वपूर्ण कार्यभार वंदना शर्मा अध्यक्ष यंत्र महिला वेलफेयर एसोसिएशन मुरादनगर ने बडे ही आदर और सम्मान के साथ निभाया। जिन्होंने उपस्थित सभी प्रतिभागियो को सम्मानित किया। कार्यक्रम में छात्रों ने विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी अद्भुत प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इन प्रस्तुतियों में विभिन्न राज्यों और संस्कृतियों की झलक देखने को मिली, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

यह आयोजन न केवल एक शैक्षिक सफलता थी, बल्कि एक सांस्कृतिक उत्सव भी था, जो समाज में समरसता और एकता का संदेश देता है। साथ ही, इस सफल आयोजन में सहयोग देने वाले समस्त शिक्षकों का भी विशेष धन्यवाद किया जाता है। इस मौके पर बिन्नी रानी, सविता देवी, उपासना, मंजू, रेखा चौधरी, सरिता यादव, कुमारी रंगोली, बिट्टू, मनोज, सतपाल को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के समापन पर प्रधानाचार्या रेनू तोमर और प्रबंधक चांद किशोर ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया और उनकी उपस्थिति को आयोजन की सफलता का प्रमुख कारक बताया।

हमारा उद्देश्य हर जरूरतमंद बुजुर्ग को 5 लाख का बीमा देना: नंदकिशोर गर्जर

लोनी विधायक ने कैंप लगाकर वितरित किये आयुष्मान कार्ड

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने शुक्रवार को क्षेत्र के 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों के लिए बलराम नगर स्थित कार्यालय पर विशेष आयुष्मान कार्ड वितरण कैंप का आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने किया और आश्वस्त किया कि लगातर मो. यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा शुरू किए गए योजनांतर्गत 70 व इससे अधिक उम्र के बुजुर्गों को योजना के तहत आच्छादित किया जा रहा है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में वरिष्ठ नागरिकों ने भाग लिया और सैकड़ों बुजुर्गों को कार्ड वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने कहा, 'हमारा उद्देश्य लोनी के हर जरूरतमंद बुजुर्ग को 5 लाख के बीमा की सुविधा देना है ताकि उन्हें किसी भी बड़े स्वास्थ्य खर्च से चिंता न करनी पड़े। उम्र के इस पढ़ाव में केंद्र सरकार आपके साथ खड़ी है। यह योजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की दूरदर्शिता का परिणाम है। लोनी में हम लगातार स्वास्थ्य विभाग को बेहतर करने का कार्य कर रहे है।' कार्ड वितरण के साथ-साथ बुजुर्गों को योजना से संबंधित जानकारी भी दी गई।

इस अवसर पर उपस्थित बुजुर्गों ने इस पहल की सराहना की और विधायक नंदकिशोर गुर्जर को धन्यवाद देते हुए आशीर्वाद दिया।

मेन रोड पर आए दिन लगने वाले जाम से नगरवासी परेशान

मुरादनगर। बस स्टैंड से नगर को जोड़ने वाले मुख्य मार्ग पर आए दिन जाम लगने के कारण नगरवासी अत्यंत परेशान है।

लगभग 1 किलोमीटर लंबा यह मार्ग काफी चौड़ा है इसके बाद भी सुबह से लेकर शाम तक यहां निरंतर जाम की स्थिति बनी रहती है। नगर में आने वाले लोगों के लिए बस स्टैंड से ही जाम शुरू हो जाता है।

मोदी कॉलेज की जीव विज्ञान प्रयोगशाला में गेल इलेक्ट्रो फोरेसिस का प्रयोग कराया गया

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। मोदी कॉलेज की जीव विज्ञान प्रयोगशाला में गेल इलेक्ट्रो फोरेसिस का प्रयोग कराया गया। डॉ के एन मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज की जीव विज्ञान प्रयोगशाला में जीव विज्ञान प्रवक्ता डॉ नीतू तथा आईएएमआर की बायोटेक विभाग की टीम द्वारा डीएनए आइसोलेशन तथा गेल इलेक्ट्रोफॉरेसिस का प्रयोग कराया गया जिसमें आइसोलेटेड डीएनए का पृथक्करण कराया जाता है कॉलेज के 12वीं तथा 11वीं कक्षा के लगभग 200 छात्रों ने इस प्रयोग के माध्यम से यह सीखा की डीएनए को कैसे पृथक किया जाता है पृथक करने की यह क्रिया सभी विद्यार्थियों ने लाइव देखा व सीखा।

इस प्रयोग को कैसे किया जाता है तथा डीएनए बैंड्स एग्रोस गेल में कैसे बनते हैं यह बच्चों को सिखाने में विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर सतीश चंद्र अग्रवाल तथा जीव विज्ञान प्रवक्ता डॉ नीतू तथा लालमोहन सिंह का विशेष योगदान रहा जिसके लिए बच्चों ने पूरी लगन से, पूरे ध्यान से इस प्रयोग को दिखा और विद्यालय का आभार व्यक्त किया विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर सतीश चंद्र अग्रवाल ने बताया कि विद्यालय की जीव विज्ञान प्रयोगशाला जनपद में अपना एक अलग स्थान रखती है जिसमें लगभग 100 छात्र एक साथ प्रयोगात्मक कार्य कर सकते हैं निकट भविष्य में जीव विज्ञान प्रयोगशाला में एक प्रोजेक्टर और स्मार्ट क्लास की योजना बनाई गई है जिससे छात्र और अधिक लाभान्वित होंगे प्रयोगशाला में जन्तु विज्ञान के अनेक प्राचीन मॉडल बच्चों को अवलोकनाथ रखे हुए हैं आज विद्यालय में जीव विज्ञान के लगभग 300 छात्र अध्ययन कर रहे हैं।

राजस्व एवं सिविल बार एसोसिएशन मोदीनगर ने नववर्ष के आगमन पर किया कार्यक्रम आयोजित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। राजस्व एवं सिविल बार एसोसिएशन मोदीनगर द्वारा नववर्ष के आगमन पर आयोजित कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर संस्था के सभी पदाधिकारियो एवं सदस्यों ने बीते वर्ष को अलविदा एवं नववर्ष आगमन स्वागत करते हुए संकल्प लिया कि अपनी एक बुराई को छोड एक अच्छाई को अपनायेगे। संस्था के अध्यक्ष सुधीर वशिष्ठ ने अपने सभी अधिवक्ताओं से कहा कि वे सुलभ एवं सस्ता न्याय करवाने मे लोगों की मदद करें, तभी सही मायने में नव वर्ष सार्थक होगा। उन्होंने सभी पदाधिकारियो एवं सदस्यों को नए वर्ष की शुभकामनाएं दी । संस्था के सचिव संजय मुदगल, उपाध्यक्ष अरुण दहिया, संरक्षक रामकुमार कलकल ने गाजियाबाद बार एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रमोद शर्मा, एडवोकेट वरिष्ठ अधिवक्ता शील कुमार शर्मा एडवोकेट, विजय वशिष्ठ , सुभाष वशिष्ठ , गोविन्द शर्मा अन्य अधिवक्ताओं एवं गणमान्य लोगों को फूल एवं बुके देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों में अध्यक्ष सुधीर वशिष्ठ, सचिव संजय मुदगल , संरक्षक रामकुमार कलकल, महेश यादव, उपाध्यक्ष अरुण दहिया, विजय वशिष्ठ, राखी त्यागी, रेखा गिरि, मृदु बिन्दल, प्रेमलता मिश्रा, जयसिह, अरुण शर्मा, विक्रम वर्मा आदि अधिवक्ता उपस्थित थे। इसके अलावा सामाजिक एवं राजनीतिक लोगों में दीपक त्यागी, दीपक वशिष्ठ, अविनाश शर्मा, डॉ विनय त्यागी, अमित शर्मा, ललित शर्मा, विजय गुप्ता ,दीपक शर्मा सहित आदि लोग उपस्थित रहे।

मोदी फाउंडेशन द्वारा जैकेट एवं शॉल का वितरण

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर । बढ़ती हुई ठंड के मौसम को देखते हुए आज डॉक्टर के एन मोदी फाउंडेशन द्वारा डॉक्टर कन मोदी फाउंडेशन में कार्यरत चतुर्थ श्रेणी महिला व पुरुष लगभग 200 कर्मचारियों को जैकेट एवं शॉल का वितरण किया गया।

यह वितरण डॉक्टर के एन मोदी ग्लोबल स्कूल में पढ़ने वाले छात्रों द्वारा कराया गया जिससे छात्रों के मन में भी समाज सेवा का भाव उत्पन्न हो फाउंडेशन में कार्यरत कर्मचारियों ने इस कार्य के लिए फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉक्टर डी के मोदी को धन्यवाद दिया।

इस अवसर पर डॉक्टर डीके मोदी ने कहा हर विषम परिस्थितियों में डॉक्टर के एन मोदी फाउंडेशन अपने प्रत्येक स्टाफ के साथ एवं समाज में अपने कार्यों से अपनी सेवा को अंजाम देता रहेगा इस अवसर पर एचआर मैनेजर हरिओम शर्मा गिन्नी देवी मोदी बी एड प्रिंसिपल एकता भारद्वाज डॉक्टर के एन मोदी ग्लोबल स्कूल के प्रिंसिपल डॉ वी के राणा एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉक्टर दीपंकर शर्मा आदि मौजूद रहे।

महावीर चक्र से सम्मानित मेजर आशाराम त्यागी की 86 वीं जन्म जयंती धूमधाम से मनाई

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। शहीद मेजर आसाराम त्यागी स्मृति सेवा ट्रस्ट एवं नगर पालिका परिषद मोदीनगर के संयुक्त तत्वावधान में बृहस्पतिवार को रेलवे रोड स्थित महावीर चक्र से सम्मानित मेजर आसाराम त्यागी प्रतिमा स्थल पर, 1965 के भारत पाक युद्ध में भारतीय सेना की अनुपम विजय के महानायक रहे मेजर आशाराम त्यागी की 86 वीं जन्म जयंती बड़े हर्षोल्लास से मनायी गयी। इस अवसर पर अमर शहीद मेजर आसाराम त्यागी स्मृति सेवा ट्रस्ट के द्वारा हवन का भी आयोजन कराया गया। हवन के उपरांत सभी ने शहीद मेजर आसाराम त्यागी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और श्रद्धासुमन अर्पित किए।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि साहिबाबाद विधायक एवं कैबिनेट मंत्री (इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार) ने सभी को राष्ट्र के विकास में योगदान करने हेतु प्रेरित करते हुए शहीद मेजर आशाराम त्यागी को नमन किया उनके अदम्य साहस, वीरता और शौर्य गाथा के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम मैं बतौर विशिष्ट अतिथि विधायक लोनी नंद किशोर गुर्जर ने कहा हम सबका दायित्व है कि देश का प्रत्येक नागरिक राष्ट्र की बेहतरी के लिए राष्ट्र के निर्माण में अपना योगदान अवश्य दे।विधायक नंद किशोर गुर्जर ने कहा कि शहीद मेजर आशाराम त्यागी को भारत रत्न से नवाजा जाना चाहिए था ।जनम जयंती कार्यक्रम का संचालन मोदी कॉलेज के एन सी सी अधिकारी प्रवीण जैनर ने तथा अध्यक्षता डॉ राजपाल त्यागी ने की।कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ त्यागी ने शहीद मेजर आसाराम त्यागी को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए आयोजकों को एक भव्य कार्यक्रम के लिए बधाई दी तथा मेजर आशाराम त्यागी को युवाओं का प्रेरणा स्त्रोत बताते हुए उन्हें, उनके व्यक्तित्व का अनुसरण करने के लिए प्रेरित किया ।

इससे पूर्व एन सी सी कैडेट्स मोदी कॉलेज के एन सी सी अधिकारी प्रवीण जैनर के नेतृत्व में विजय दिवस जुलूस के रूप में अमर शहीदों को नमन करते हुए भारत माता की जय एवं वंदे मातरम के उद्घघोष के साथ कार्यक्रम स्थल पर पहुँचे एवं महावीर चक्र से सम्मानित मेजर आशाराम त्यागी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और श्रद्धा सुमन अर्पित किए। कार्यक्रम के दौरान लोक गीत गायक कलाकारों महाशय बिशन सिंह फजल गढ़ एवं हरेंद्र नागर आदि के द्वारा देश भक्ति गान प्रस्तुत किए गए। ट्रस्ट के सचिव राजीव शर्मा ने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया ।जन्म जयन्ती कार्यक्रम के अवसर पर अमर शहीद मेजर आसाराम त्यागी स्मृति सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष दया स्वरूप त्यागी, सचिव राजीव शर्मा, उपाध्यक्ष जसबीर त्यागी, कोषाध्यक्ष सत्येन्द्र गौतम, संस्थापक डॉ० नरेन्द्र त्यागी, ट्रस्ट के मुख्य संरक्षक राज सुंदर त्यागी ,सह संरक्षक अनिल त्यागी, महेश त्यागी एवं ललित त्यागी, संगठन मंत्री आयुष राम त्यागी, प्रेम सुंदर त्यागी, कार्यक्रम संयोजक एवं पूर्व चेयरमेन पंडित राम आसरे शर्मा , नगर पालिका अध्यक्ष विनोद वैशाली, सभासद अध्यक्ष वेदप्रकाश, सभासद ललित त्यागी, मोनू धामा ,सभासद सुबे सिंह, ललित त्यागी , संदीप सांगवान, प्रदीप शर्मा, नवीन जायसवाल,यतीश त्यागी, प्रशांत त्यागी ,रालोद नेता सतेंद्र तोमर, हरबीर, डा बब्ली गुर्जर,मा०राम किशन त्यागी, नवीन प्रधान , सहित सैकड़ों गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

नहर का पानी छोड़े जाने के कारण किसानों के सामने फसलों का संकट

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मुरादनगर। हिंडन नदी में नहर का पानी छोड़े जाने के कारण किसानों के सामने फसलों का संकट खड़ा हो गया है जिसे देखते हुए भारतीय किसान यूनियन किसान सभा के कार्यकर्ताओं ने भोला झाल पर धरना प्रदर्शन किया।

संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सत्येंद्र त्यागी ने बताया कि हिंडन नदी में पानी छोड़े जाने के कारण गाजियाबाद व मेरठ जनपद के फिरोजपुर, सफाबाद, नवादा, गढ़ी, सुराना, नेकपुर, महमदपुर, डोलचा, मुकारी, ललियाना, सुभानपुर, कलंद्री, मकरेड़ा आदि 2 दर्जन गांवों के लोगों की लगभग 5000 बीघा जमीन की फसल नष्ट होने की आशंका हो गई है। किसानो की इस भीषण समस्या को लेकर आज कार्यकर्ताओं ने भोला झाल पर धरना प्रदर्शन किया। सिंचाई विभाग के एसडीओ द्वारा समस्या के समाधान का आश्वासन देने के बाद धरना समाप्त कर दिया गया। इस अवसर पर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष देवव्रत, विनीत त्यागी, अरुण कसाना, नितिन बालियान, अमित जाखड व आदि लोग उपस्थित रहे।